मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 29 सितंबर 2026

संवत 2083, आश्विन कृष्ण 3 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 25, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ तो बैंकिंग सेवा को क्यों सीमित करने की मांग

पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आएंगे पंकज त्रिपाठी ◂◂ 6

बेतला नेशनल पार्क में पांच हिरण का शिकार, तीन आरोपी गिरफ्तार

एआई टूल्स से शिकार का हुआ खुलासा

संवाददाता

पलामू: बेतला नेशनल पार्क के इलाके में पांच हिरण का शिकार हुआ है। पलामू टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि चार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। शिकार का खुलासा एआई टूल्स के जरिये हुआ है।

पलामू टाइगर रिजर्व को शिकार से संबंधित वीडियो मिला है। हिरण का शिकार करने वाले गिरफ्तार आरोपी संतोष सिंह, सीताराम सिंह और सुरेंद्र राम लातेहार के बरवाडीह के मूडू गांव के रहने वाले है।दरअसल बेतला पार्क के इलाके में मूडू गांव में हिरण के शिकार के लिए आरोपियों ने फंदा लगाया था। इस फंदे में पांच हिरण फंस गए थे, जिनका आरोपियों ने शिकार किया। दो हिरण को शिकारी अपने साथ ले गए थे, जबकि तीन हिरण को मौके पर ही छोड़ दिया था। एआई टूल्स के माध्यम से शिकार की जानकारी पलामू टाइगर रिजर्व के अधिकारियों के मिली थी।

पलामू टाइगर रिजर्व ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए मूडू गांव में छापेमारी की है और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने खाने के लिए हिरण का शिकार किया था।

पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक प्रजेशकान्त जेना ने बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 4 फरार हैं। सभी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। प्रशिक्षु आईएफएस को पूरे मामले का अनुसंधानकर्ता बनाया गया है। आईएफएस के नेतृत्व में पूरी टीम कार्रवाई कर रही है।

धनबाद में जंगली हाथियों का आतंक

सहायक अध्यापक को कुचलकर मार डाला वन विभाग की लापरवाही पर भड़के ग्रामीण

धनबादः टुंडी क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बना हुआ है। सोमवार देर रात हाथियों के झुंड ने गुलियाडीह गांव में एक सहायक शिक्षक को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नया प्राथमिक विद्यालय गुलियाडीह में कार्यरत सहायक अध्यापक गिरजा मुरमू के रूप में हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

दो महीने से इलाके में हाथियों का डेराः ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले करीब दो महीने से इलाके में हाथियों का झुंड डेरा जमाए हुए है, लेकिन वन विभाग की ओर से हाथियों को क्षेत्र से दूर करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे तक प्रशासनिक अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने को लेकर भी ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों के मुताबिक, हाथियों के कारण क्षेत्र में लगातार खतरा बना हुआ है। लोग डर के साये में रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग हाथियों के झुंड को आबादी वाले इलाकों से दूर करे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस व्यवस्था की जाए। डीएफओ का बयानः डीएफओ विकास पालीवाल ने बताया कि वन विभाग की टीम को रात में ही इलाके में भेज दी गई थी। टीम मौके पर ही मौजूद है। उन्होंने कहा कि हाथियों का झुंड अगर इलाके में पहुंचता है तो सबसे पहले लोगों को अपनी जान की सुरक्षा करनी चाहिए। डीएफओ ने कहा कि हाथियों के कारण फसल या मकान को नुकसान पहुंचने की स्थिति में सरकार की ओर से मुआवजे का प्रावधान है।

उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि हाथियों के झुंड के करीब जाने या उन्हें खदेड़ने की कोशिश न करें और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें। फिलहाल वन विभाग की टीम हाथियों के झुंड को क्षेत्र से दूर करने के प्रयास में जुटी है। लेकिन एक सहायक शिक्षक की मौत के बाद ग्रामीणों में वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

नीरू ने रचा इतिहासः एशियाड में भारत को दिलाया पहला व्यक्तिगत स्वर्ण

36 साल में ऐसा करने वाली पहली महिला शूटर

आइची नागोया /एजेंसीः शूटिंग में भारत को एक और गोल्ड आ चुका है। नीरू ढांडा ने इतिहास रच दिया है। वह महिलाओं की शॉटगन ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने या यूं कहें कोई पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने फाइनल में 30 में 28 शॉट सटीक निशाने पर लगाए। चीन की यूनॉन्ग सुन ने 26 के स्कोर के साथ रजत जीता। इसी के साथ नीरू ने एशियन रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। वह इस एशियाड में किसी व्यक्तिगत स्पर्धा में सोना जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बन गईं। नीरू का यह इस एशियाड में दूसरा पदक रहा। व्यक्तिगत स्पर्धा से पहले उन्होंने महिला ट्रैप टीम इवेंट में आशिमा और मनीषा के साथ रजत जीता था।

इसी के साथ एशियन गेम्स में भारतीय शूटिंग के लिए 36 साल का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया। महिलाओं की शॉटगन ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा 1990 में एशियन गेम्स का हिस्सा बनी थी, लेकिन 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स तक भारत इस इवेंट में एक भी पदक नहीं जीत सका था। आइची-नागोया में नीरू ने इस लंबे इंतजार को खत्म करते हुए इतिहास रच दिया। यानी इस स्पर्धा में भारत का पहला पदक आया तो वह सीधे स्वर्ण के रूप में आया।

पुरुषों के व्यक्तिगत ट्रैप इवेंट में भारत एक स्वर्ण जीत चुका है। 1978 बैंकॉक एशियाड में रंधीर सिंह ने स्वर्ण जीता था, पर महिलाओं में पहली बार कोई पदक आया। पुरुषों के व्यक्तिगत ट्रैप इवेंट में रंधीर ने 1982 नई दिल्ली एशियन गेम्स में कांस्य जीता था। वहीं, मानवजीत सिंह संधू ने 2006 दोहा गेम्स में रजत जीता था। इसके अलावा लक्ष्य श्योरण (नीरू के भाई) ने 2018 जकार्ता एशियाड में रजत जीता था। 2022 में किनन चेनाई ने कांस्य पर कब्जा किया था। यानी पुरुषों के व्यक्तिगत ट्रैप इवेंट में भारत पांच पदक जीत चुका है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका, पद से हटाने की मांग, जल्द होगी सुनवाई

नई दिल्लीः मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के अधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने वाली है। याचिका में सीईसी को हटाने और आयोग के फैसले लेने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई की अनुमति दे दी है। याचिका में ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने के साथ-साथ यह घोषित करने की मांग की गई है कि निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र वाले फैसले उसके चेयरमैन अकेले नहीं ले सकते।

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के सामने उठा मामला : वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया और जल्द सुनवाई का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग एक बहु-सदस्यीय संवैधानिक संस्था है, इसलिए इसके फैसले सामूहिक रूप से लिए जाने चाहिए।

सिंह ने दलील दी कि अगर आयोग ने किसी फैसले को सर्वसम्मति से नहीं लिया है, तो यह गंभीर मामला है। उनके मुताबिक, कानून के तहत बहु-सदस्यीय आयोग में फैसले सर्वसम्मति या बहुमत के आधार पर होने चाहिए।

याचिका में क्या है मांग? : याचिका में आरोप लगाया गया है कि निर्वाचन आयोग की शक्तियों का इस्तेमाल कानून में अपेक्षित सामूहिक निर्णय प्रक्रिया का पालन किए बिना किया जा रहा है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि आयोग के अधिकार वाले फैसले उएउ अकेले नहीं ले सकते। इसके अलावा याचिका में सीईसी ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने की भी मांग की गई है। याचिका में निर्वाचन आयोग के कामकाज और उसके फैसले लेने की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए गए हैं।

अगले सप्ताह होगी सुनवाईः सुप्रीम कोर्ट ने मामले को अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। अब अदालत में यह मामला आने के बाद निर्वाचन आयोग की सामूहिक निर्णय प्रक्रिया और उएउ की भूमिका से जुड़े कानूनी सवालों पर सुनवाई होगी।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शनः मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को देशभर में प्रदर्शन किया। पार्टी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। राजस्थान, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना और मणिपुर में कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रदर्शन किए। जयपुर में प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार का इस्तेमाल किया।

संभल हिंसा मामलाः सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की मुल्ला अफरोज की हिरासत

यूपी सरकार पर ठोका 10 लाख का भारी जुर्माना

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के संभल हिंसा मामले में एक बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी मुल्ला अफरोज की प्रिवेंटिव डिटेंशन (एहतियाती हिरासत) को पूरी तरह रद्द कर दिया है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने प्रशासनिक शक्तियों के दुरुपयोग पर कड़ा ऐतराज जताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार पर 10 लाख रुपये का भारी-भरकम जुमार्ना (हजार्ना) भी लगाया है। अदालत के इस फैसले से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। केवल बाहरी कबूलनामे के आधार पर जेल में रखना गलतः जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए व्यवस्था दी कि प्रिवेंटिव डिटेंशन के लिए केवल एक्स्ट्रा-

जुडिशियल कन्फेशन (अदालत के बाहर दिया गया कथित कबूलनामा) ही एकमात्र आधार नहीं बन सकता। बेंच ने स्पष्ट किया कि किसी भी नागरिक की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को छीनने से पहले हिरासत में लेने वाले सक्षम अधिकारी का यह कानूनी दायित्व बनता है कि वह मामले से जुड़ी अन्य परिस्थितियों और ठोस सबूतों का भी निष्पक्षता से मूल्यांकन करे।

अधिकारियों ने किया शक्तियों का दुरुपयोग, कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघनः सर्वोच्च अदालत ने पाया कि मुल्ला अफरोज के मामले में जिम्मेदार अधिकारियों ने आवश्यक प्रक्रिया का पालन नहीं किया और बिना अन्य ठोस परिस्थितियों की जांच किए मनमाने ढंग से हिरासत का आदेश जारी कर दिया। अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि अधिकारियों ने अपनी कानूनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसी के चलते अदालत ने हिरासत आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए राज्य सरकार को 10 लाख रुपये का जुर्माना भरने का आदेश सुनाया।

भारत की सुरक्षा चिंताओं को लेकर अमेरिका गंभीर नहीं, रिश्तों पर पड़ता है असर, विदेश मंत्री जयशंकर का बड़ा बयान

नई दिल्लीः विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं और आतंकवाद से जुड़ी चिंताओं के प्रति अमेरिका में पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं होना दोनों देशों के रिश्तों में जटिलता का एक प्रमुख कारण है। न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि व्यापार से जुड़े मतभेदों के साथ-साथ राज्य प्रायोजित आतंकवाद भी भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक अहम चुनौती है। जयशंकर ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि भारत का एक पड़ोसी देश लंबे समय से आतंकवाद को अपनी राज्य नीति के एक औजार के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है। उन्होंने कहा, अगर कोई चीज हमारे लिए बेहद मायने रखती है और कोई सहयोगी देश हमारी उन चिंताओं के प्रति सहानुभूति नहीं रखता है तो इससे यकीनन समस्या पैदा होगी और संबंधों पर असर पड़ेगा। जयशंकर ने कहा कि किसी सहयोगी देश का भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझना महत्वपूर्ण है और इन चिंताओं के प्रति पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं होने का असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ सकता है। भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है। जयशंकर की ताजा टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब भारत अमेरिका के पाकिस्तान के साथ बढ़ते संपर्क को लेकर अपनी सुरक्षा चिंताओं को रेखांकित कर रहा है।

आईएएस से इस्तीफे के बाद दिव्या मित्तल का सियासत में बड़ा कदम, बिना किसी पार्टी सिंबल के लड़ेंगी चुनाव

लखनऊ : प्रशासनिक सेवा (आईएएस) से अचानक इस्तीफा देकर सबको चौंकाने वाली पूर्व चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने राजनीति में उतरने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर एक भावुक और तीखा वीडियो संदेश जारी करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी राजनीतिक दल या झंडे के नीचे नहीं, बल्कि सीधे आम जनता के साथ मिलकर इरादे और न्याय की राजनीति करेंगी। उन्होंने कहा कि उनका मकसद किसी सत्ता की सीढ़ी चढ़ना नहीं, बल्कि उन वंचितों की आवाज बनना है जिनकी फरियाद सरकारी दफ्तरों तक नहीं पहुंच पाती।

मुझे देश की आजादी के 80 सालों का हिसाब चाहिएः दिव्या मित्तल ने वीडियो में अपने इस्तीफे के पीछे की असली वजह और भविष्य की योजनाएं साझा करते हुए सीधे सिस्टम पर तीखे सवाल दागे। उन्होंने कहा कि लोग पूछते थे कि अफसर बनने के बाद अब क्या बनना चाहती हैं, तो उनका जवाब है कि वे उन लोगों की आवाज बनना चाहती हैं जिन्हें अनसुना कर दिया गया। उन्होंने कहा, जिन झंडों के नीचे 80 सालों में हालात नहीं बदले, उन झंडों के नीचे खड़े होकर इंसाफ नहीं मांगा जा सकता। जो हिस्सा बन जाए, वह हिसाब नहीं मांग सकता। इसलिए मैं राजनीति किसी दल के साथ नहीं, केवल जनता के साथ करूंगी।

सिस्टम की बेरुखी और भ्रष्टाचार के खोले कई राजः पूर्व आईएएस ने फील्ड पोस्टिंग के दौरान झेले गए दर्दनाक अनुभवों को साझा करते हुए नौकरशाही और राजनीतिक दखलअंदाजी की पोल खोली। मिजार्पुर के लहुरिया दह का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जिस पहाड़ी गांव में पानी नहीं था, वहां की एक महिला ने उनसे सिर्फ 5वीं से आगे स्कूल मांगा था। उन्होंने स्कूल स्वीकृत कराया, लेकिन तीन साल बाद भी वह नहीं बन सका क्योंकि सिस्टम में इरादे की कमी थी। इसके अलावा, राजस्व विभाग में तैनाती के दौरान एक भूमिहीन व्यक्ति के पट्टे की जमीन पर ह्यऊपर के आदेशह्न का हवाला देकर कब्जा न दिलाए जाने की लाचारी बयां करते हुए उन्होंने सवाल किया कि जब संविधान में सबसे ऊपर जनता है।

वोटर लिस्ट से नाम हटाने की साजिश, सीईसी बने मोदी सरकार की कठपुतली, सीडब्ल्यूसी बैठक में खड़गे का आरोप

नई दिल्लीः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार (29 सितंबर) को चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर मतदाता सूची के 'विशेष गहन संशोधन' (एसआईआर) को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक साज़िश के तहत मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त मोदी सरकार के कठपुतली बन गए हैं। नई दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि नामों को हटाने का कथित मामला भारतीय लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है, जिसके तहत हर योग्य नागरिक को वोट देने का अधिकार होना चाहिए और हर वोट की निष्पक्ष रूप से गिनती होनी चाहिए।

खड़गे ने कहा कि एक साजिश के तहत वोटर लिस्ट से लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त मोदी सरकार के कठपुतली बन गए हैं। यह भारतीय लोकतंत्र की उस भावना और दर्शन के खिलाफ है, जिसके तहत यह तय किया गया था कि हर योग्य नागरिक के वोट की सुरक्षा की जाएगी और हर वोट की निष्पक्ष रूप से गिनती होगी।

खड़गे ने आगे आरोप लगाया कि अधिकारी मनमाने ढंग से बीजेपी और मोदी सरकार के इशारे पर नाम हटा रहे हैं। खड़गे ने सीडब्ल्यूसी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो रक्षा करने वाला था, वही अब शिकारी बन गया है। उन्होंने यह भी पूछा कि दो चुनाव आयुक्तों को कथित तौर पर इंटरनल पोर्टल से बाहर क्यों रखा गया और रक्क्र कराने का फैसला किसने लिया। उन्होंने कहा कि जिस संस्था को संविधान ने लोगों के वोटों की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी सौंपी थी, वही असल में उन वोटों को लूटने वाली बन गई है। अगर मुख्य चुनाव आयुक्त के अपने साथी ही उन पर भरोसा नहीं करते, तो देश उन पर कैसे भरोसा कर सकता है? खड़गे ने मौजूदा सरकार पर युवाओं को वोट देने के अधिकार से वंचित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'फॉर्म 6' से जुड़े नियमों में बिना पर्याप्त पारदर्शिता के बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिसंबर 1988 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए मतदान की उम्र 21 साल से घटाकर 18 साल कर दी थी। और अब हमारे प्रधानमंत्री मोदी हैं, जो 'जेन जेड' से इतने नाराज हैं कि उन्होंने युवाओं को वोट देने के अधिकार से वंचित करने की साज़िश रची है। 'फॉर्म 6' से जुड़े नियमों में चुपचाप बदलाव किए गए हैं। यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है।

सुदिव्य सोनू की विरासत संभालेंगी पत्नी श्वेता, पहली बार झामुमो कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचीं, उपचुनाव की चर्चा तेज

संवाददाता

रांची : दिवंगत मंत्री एवं गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन के बाद उनकी पत्नी श्वेता शर्मा पहली बार झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के प्रमुख कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन और क्षेत्र से जुड़े विषयों पर चर्चा की। बैठक के दौरान माहौल कई बार भावुक हो गया। कार्यकर्ताओं ने दिवंगत सुदिव्य सोनू को याद करते हुए उनके साथ बिताए राजनीतिक और संगठनात्मक अनुभव साझा किए।

श्वेता शर्मा और कार्यकर्ताओं के बीच हुआ संवादः श्वेता शर्मा और कार्यकर्ताओं के बीच भावनात्मक संवाद भी हुआ।

कार्यकर्ताओं ने सुदिव्य सोनू के साथ अपने जुड़ाव और उनके द्वारा क्षेत्र में किए गए कार्यों को याद किया। उनके निधन के बाद श्वेता शर्मा का इस तरह कार्यकर्ताओं के बीच सक्रिय रूप से सामने आना राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुदिव्य सोनू के निधन के बाद गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र में उनकी राजनीतिक विरासत और संभावित उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इसी क्रम में श्वेता शर्मा के राजनीतिक रूप से सक्रिय होने की संभावनाओं पर भी चर्चा हो रही है। वहीं, उन्हें हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की अटकलें भी सामने आई हैं। हालांकि, सरकार या झामुमो की ओर से इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

काफी लोकप्रिय थे सुदिव्य सोनूः सरफराज अहमद

बैठक में शामिल राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद ने कहा कि गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र की जनता के बीच दिवंगत सुदिव्य सोनू काफी लोकप्रिय थे। उनके असामयिक निधन के बाद उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए क्षेत्र की जनता उनकी धर्मपत्नी श्वेता शर्मा को नेता के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि श्वेता शर्मा पार्टी संगठन के कार्यों से जुड़कर काम करेंगी।

श्वेता शर्मा की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक ऐसे समय हुई है, जब गिरिडीह विधानसभा सीट और झामुमो की आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर चर्चाएं जारी हैं। हालांकि, उनकी राजनीतिक भूमिका को लेकर अंतिम निर्णय अभी सामने नहीं आया है। हालिया रिपोर्टों में उन्हें गिरिडीह उपचुनाव के लिए झामुमो की संभावित दावेदार के रूप में भी बताया गया है, लेकिन पार्टी की ओर से औपचारिक उम्मीदवार की घोषणा का उल्लेख नहीं है।

शहीद भगत सिंह जयंती पर सिल्ली में रक्तदान शिविर, 41 यूनिट रक्त संग्रह

मुरीः शहीद भगत सिंह की जयंती पर सिल्ली सामुदायिक केंद्र में भगत सिंह स्मारक मंच की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने भाग लेते हुए कुल 41 यूनिट रक्त दान किया।? जिम्मेदारी निभाने वाले और स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को हेलमेट, टी-शर्ट,वाटर बॉटल और प्रशस्ति-पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित और प्रोत्साहित किया गया। संग्रह का कार्य सिंगपुर नर्सिंग होम एवं सदर अस्पताल की संयुक्त मेडिकल टीम द्वारा संपन्न कराया गया, जिसमें सिंगपुर नर्सिंग होम के डॉ. रमनेश प्रसाद और सिल्ली सामुदायिक अस्पताल की प्रभारी डॉ. संगीता बड़ाइक का मार्गदर्शन रहा। ?मंच के प्रमुख संस्थापक कुमार गौतम ने कहा कि रक्तदान ही शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है, जिससे किसी जरूरतमंद का जीवन बचाया जा सके। वहीं दीपक सोनार ने कहा कि युवाओं की यह भागीदारी सामाजिक दायित्वों के प्रति उनकी सजगता को दर्शाती है।आयोजन को सफल बनाने में कुमार गौतम, दीपक सोनार, अमित कुमार महतो और गोपाल केडिया सहित अन्य सदस्यों की मुख्य भूमिका रही।

झाड़ियों में मिला अज्ञात शव, सिर और हाथ कटे होने की चर्चा से सनसनी

खूंटीः जिले के खूंटी-मुरहू मुख्य मार्ग पर अनिगड़ा गांव स्थित ऑयल फिल्ट्रेशन प्लांट से आगे हैलीपैड के समीप सोमवार को झाड़ियों में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव से तेज दुर्गंध आने के बाद स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी हुई। इसके बाद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर खूंटी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। स्थानीय लोगों के अनुसार, शव सड़क किनारे झाड़ियों के काफी अंदर पड़ा हुआ था। कुछ लोगों ने दावा किया कि मृतक का सिर धड़ से अलग है और एक हाथ भी कटा हुआ है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शव की वास्तविक स्थिति और घटना की पूरी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। बताया जा रहा है कि 16 सितंबर को अनिगड़ा हैलीपैड के समीप स्थित खेल मैदान में फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। स्थानीय स्तर पर आशंका जताई जा रही है कि घटना उसी दिन या उसके आसपास की हो सकती है। हालांकि, इस संबंध में भी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शव मिलने की खबर फैलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। तेज दुर्गंध के कारण लोग नाक बंद कर झाड़ियों की ओर देखने का प्रयास कर रहे थे। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। खबर लिखे जाने तक शव को झाड़ियों से बाहर निकालने और उसकी पहचान की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने और मृतक की पहचान करने के साथ ही मौत के कारणों का पता लगाने की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव वहां कैसे पहुंचा। पुलिस की जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

दुर्गा पूजा और दशहरा को लेकर प्रशासन अलर्ट डीसी-एसपी ने दिए सुरक्षा के सख्त निर्देश

खूंटीः आगामी दुर्गा पूजा एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसको लेकर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मो. जावेद हुसैन एवं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में जिले के सभी थाना प्रभारी तथा वर्चुअल माध्यम से प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में पूजा पंडालों की संख्या, संभावित भीड़, विसर्जन के स्थान और समय तथा पूजा समितियों की तैयारियों की जानकारी ली गई। सभी प्रखंडों और थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित कर पूजा समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने को कहा गया। पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त रोशनी, महिला एवं पुरुषों के लिए अलग प्रवेश-निकास, अग्निशमन यंत्र और आपातकालीन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पंडालों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और नो-प्लास्टिक का पालन करते हुए पर्यावरण अनुकूल सामग्री के इस्तेमाल की अपील की गई। विसर्जन जुलूस के लिए निर्धारित रूट और समय-सीमा का पालन सुनिश्चित कराने तथा डीजे पर आपत्तिजनक, भड़काऊ या अश्लील गाने नहीं बजाने के निर्देश दिए गए। विसर्जन स्थलों पर गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा गया। दशहरा के दौरान रावण दहन कार्यक्रमों को लेकर भीड़ प्रबंधन, मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति पर चर्चा की गई। वहीं अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ छापेमारी तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने अग्निशमन विभाग को सक्रिय रहने और स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम, मेडिकल सब-सेंटर एवं ट्रॉमा सेंटर समेत स्वास्थ्य संस्थानों को पूरी तरह तैयार रखने को कहा। प्रमुख सड़कों पर आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग, यातायात नियंत्रण और भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। विद्युत विभाग को पूजा पंडालों एवं आसपास के विद्युत तारों और व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर समय पर मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही सोशल मीडिया पर निगरानी रखते हुए भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री के मामले में नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। उपायुक्त एवं एसपी ने सभी पदाधिकारियों और थाना प्रभारियों को आपसी समन्वय के साथ सक्रिय रहकर कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि दुर्गा पूजा एवं दशहरा पर्व जिले में शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराया जा सके।

मधु कोड़ा ने सरकार से की बंद खदानों को चालू कराने की मांग

संवाददाता

खूंटीः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने एमएमआरडी संशोधन अधिनियम 2026 को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां संशोधन को लेकर जनता को गुमराह कर रही हैं। मधु कोड़ा ने कहा कि यह संशोधन केवल झारखंड के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश में खनन व्यवस्था में एकरूपता लाने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि संशोधित कानून में राज्य सरकार को अपना पक्ष रखने का पूरा प्रावधान है। ऐसे में केंद्र सरकार पर राज्यों के अधिकार छीनने और राजस्व का नुकसान होने के आरोप लगाकर भ्रम फैलाना उचित नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार से विरोध की राजनीति छोड़कर बंद पड़ी खदानों को चालू कराने पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि झारखंड में खनिज संसाधनों की प्रचुरता होने के बावजूद कई खदानें लंबे समय से बंद पड़ी हैं। इससे राज्य को राजस्व का नुकसान हो रहा है और रोजगार के अवसर भी प्रभावित हो रहे हैं। मधु कोड़ा ने दावा किया कि राज्य में कोयले की 24 खदानों की नीलामी हुई है, लेकिन 28 खदानों को सरकार चालू नहीं करा पाई है। उन्होंने पश्चिमी सिंहभूम जिले का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां 15 लौह अयस्क की खदानें बंद पड़ी हैं। उनका कहना है कि यदि इन खदानों को चालू कराया जाए तो राज्य को हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने झारखंड में लौह अयस्क और कोयले पर लगने वाले उपकर एवं रॉयल्टी के बोझ का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य में लौह अयस्क पर 600 रुपये और कोयले पर 450 रुपये प्रति टन का बोझ पड़ रहा है। उनके अनुसार, पड़ोसी राज्यों की तुलना में उत्पादन लागत अधिक होने के कारण झारखंड के उद्योग प्रतिस्पर्धा में पिछड़ रहे हैं।

मधु कोड़ा ने दावा किया कि पिछले एक साल में राज्य की 50 छोटी फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं, जिससे हजारों लोग बेरोजगार हुए हैं। उन्होंने कहा कि खनन और उद्योगों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके और रोजगार के अवसर सुरक्षित रह सकें।

मधु कोड़ा ने सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2024 के आदेश का जिक्र करते हुए कहा कि इसके बाद राज्य सरकार ने उपकर कानून लाकर राजस्व अर्जित किया। हालांकि, उनके अनुसार, इस व्यवस्था का छोटे उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि खनिज संसाधनों से राजस्व बढ़ाने के साथ-साथ उद्योगों की लागत और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभावों को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने बंद पड़ी खदानों को चालू नहीं कराने के पीछे अवैध खनन का बड़ा खेल होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि जेएमएम-कांग्रेस के कुछ नेता, मंत्री और अधिकारी अवैध खनन से आर्थिक लाभ ले रहे हैं और इसी कारण एमएमआरडी संशोधन का विरोध किया जा रहा है। मधु कोड़ा ने कहा कि झारखंड के विकास के लिए खनन व्यवस्था को व्यवस्थित करना, बंद पड़ी खदानों को चालू कराना और छोटे उद्योगों को राहत देना आवश्यक है। उन्होंने राज्य सरकार से खनिज संसाधनों का बेहतर उपयोग कर राजस्व बढ़ाने और रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की।

सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने को लेकर वाहन जांच अभियान, 86 हजार का कटा चालान

संवाददाता

खूंटीः सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से खूंटी जिले में वाहन जांच अभियान चलाया गया। उपायुक्त मो. जावेद हुसैन के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में जिले के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर वाहनों की जांच की गई।

अभियान के दौरान सड़क किनारे और प्रमुख मार्गों पर अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया। इसके अलावा वाहनों के टैक्स, इंश्योरेंस, परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस समेत अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान मोटरवाहन अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करने वाले विभिन्न वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से कुल 86 हजार रुपये का चालान वसूला गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहन मालिकों और चालकों से अपील की है कि वे सड़क या मार्ग पर किसी भी स्थिति में वाहनों को अनाधिकृत रूप से खड़ा न करें। साथ ही वाहन चलाते समय सभी जरूरी दस्तावेज अपने साथ रखें और यातायात नियमों का पालन करें। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस तरह के जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस के रणनीतिक पुनर्गठन का रखा प्रस्ताव

रांचीः टाटा ट्रस्ट्स ने 66 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के रणनीतिक पुनर्गठन की योजना सामने रखी है। प्रस्ताव के तहत टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स का टाटा संस में विलय किया जाएगा, जिससे पुनर्गठित कंपनी न तो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) रहेगी और न ही कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी)। ट्रस्ट्स के अनुसार, 31 मार्च 2026 के आधार पर विलय के बाद बनने वाली इकाई का परिचालन राजस्व 1,05,043 करोड़ रुपये होगा, जो कुल आय का 64.3 प्रतिशत है। प्रस्ताव के तहत टाटा संस अपने परिचालन कारोबार और आय वाले पुराने मॉडल की ओर लौटेगी, जैसा कि वह लंबे समय तक करती रही है। ट्रस्ट्स ने कहा कि पुनर्गठन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र लिया जाएगा और प्रक्रिया पूरी होने के बाद टाटा संस अपना सीआईसी पंजीकरण प्रमाणपत्र भी वापस करेगी। ट्रस्ट्स ने टाटा संस के बोर्ड से प्रस्ताव पर विचार कर आवश्यक कदम उठाने को कहा है और कहा कि यह योजना नियामकीय अनुपालन के साथ टाटा समूह की 100 साल से अधिक पुरानी संगठनात्मक संरचना को बनाए रखने में मदद करेगी।

बालूमाथ मुख्य पथ से हटेगा अतिक्रमण, कोयला वाहनों के प्रदूषण पर भी होगी कार्रवाई

3 अक्टूबर को प्रखंड कार्यालय में बैठक, जनप्रतिनिधि, व्यवसायी और ग्रामीण रखेंगे समस्याएं

संजय कुमार यादव

बालूमाथः बालूमाथ मुख्य पथ पर बढ़ते अतिक्रमण और कोयला वाहनों के परिचालन से उत्पन्न हो रही समस्याओं को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार ने संबंधित अधिकारियों को मुख्य पथ को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा कोयला वाहनों से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है।

मुख्य पथ के किनारे कुछ लोगों और दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। इससे आम लोगों और ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपायुक्त ने अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अतिक्रमित स्थलों को जल्द खाली कराने और कार्रवाई की रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

3 अक्टूबर को होगी बैठकः समस्याओं के स्थायी समाधान को लेकर 3 अक्टूबर को बालूमाथ प्रखंड कार्यालय में बैठक होगी। इसमें संबंधित पदाधिकारियों के अलावा जनप्रतिनिधि, व्यवसायी और ग्रामीण शामिल होंगे। बैठक में मुख्य पथ को अतिक्रमण मुक्त कराने, निजी एवं यात्री वाहनों के लिए निर्धारित पड़ाव सुनिश्चित करने, सड़क की मरम्मत तथा कोयला वाहनों से होने वाले प्रदूषण समेत अन्य समस्याओं पर चर्चा की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा है कि आम लोगों के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा नहीं होनी चाहिए। प्रशासन की ओर से संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर समस्याओं का व्यावहारिक और नियमानुकूल समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

अवैध खनन पर सख्ती, दोषियों पर तत्काल एफआईआर के निर्देश

लातेहारः जिले में अवैध खनन, परिवहन और खनिजों के भंडारण पर रोक लगाने को लेकर सोमवार को उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की और अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों और थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित जांच और छापेमारी अभियान चलाने को कहा। उन्होंने अवैध बालू, पत्थर, कोयला समेत अन्य खनिजों के उत्खनन व परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और नियमानुसार दंड राशि वसूलने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई करें। लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

कोल साइडिंग में लगेंगे एक्यूआई डिस्प्ले बोर्डः बैठक में कोल साइडिंग से होने वाले वायु प्रदूषण की निगरानी पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने जिले की सभी कोल साइडिंग में अनिवार्य रूप से एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) डिस्प्ले बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। इससे आम लोगों को क्षेत्र की वायु गुणवत्ता की स्थिति की जानकारी मिल सकेगी। अधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा गया।

एसपी कुमार गौरव ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि उनके क्षेत्र से अवैध खनन कर कोई वाहन नहीं गुजरना चाहिए। अवैध खनन या परिवहन में पकड़े जाने वाले वाहनों और दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

झारखंड के मांदर की थाप को देशभर में मिली पहचान

मिला जीआई टैग, पारंपरिक कारीगरी ने दिलायी खास पहचान, मुख्यमंत्री ने जताई खुशी

अखरा से जीआई रजिस्ट्री तक पहुंचा मांदर, 2021 से चल रही थी प्रक्रिया

संवाददाता

रांची: झारखंड के आदिवासी लोकजीवन, पर्व-त्योहार और अखरा से जुड़े मांदर को जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग मिल गया है। भारत सरकार की जीआई रजिस्ट्री, चेन्नई ने इसे भौगोलिक संकेतक का दर्जा दिया है। पारंपरिक लाल और नगड़ा मिट्टी से तैयार इस लोकवाद्य को अब कानूनी और भौगोलिक पहचान मिल गई है।

मांदर को जीआई टैग दिलाने की प्रक्रिया 2021 से चल रही थी। दूसरे राज्यों में इससे मिलते-जुलते वाद्ययंत्र होने के कारण पंजीकरण की प्रक्रिया लंबित थी। अब इसे झारखंड के मांदर के रूप में पंजीकृत किया गया है।

राज्य के 43 पारंपरिक वाद्यों में मांदर सर्वोपरिः मांदर सम्राट मनपूरन नायक ने कहा-मांदर केवल एक वाद्य नहीं, झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बिना अखरा पूरी तरह सूना है। राज्य के 43 पारंपरिक वाद्यों में मांदर को सर्वोपरि माना गया है। विशेषज्ञ और एनयूएसआरएल के विजिटिंग फैकल्टी डॉ. सत्यदीप सिंह ने आवेदन से लेकर अंतिम पैरवी तक मुख्य भूमिका निभाई।

उन्होंने बताया कि मांदर को जीआई टैग दिलाने के लिए प्रसिद्ध मानवशास्त्री शरत चंद्र राय की 1915 की कृति, तारकचंद्र दास के 1931 के शोध और डब्ल्यूजी आर्चर की 1940 की पुस्तक द ब्लू ग्रोव के साथ पटना संग्रहालय (1920) और बिहार गजेटियर के साक्ष्य पेश किए गए।

डॉ. सिंह के अनुसार, यह पंजीकरण पारंपरिक कारीगरों के संरक्षण और झारखंड की समृद्ध लोक परंपरा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा। पूरी प्रक्रिया में एनयूएसआरएल के कुलपति प्रो. अशोक पाटिल, तत्कालीन गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी और मुख्यमंत्री लघु कुटीर उद्यम विकास बोर्ड का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जीआई टैग का फायदाः राज्यभर के पारंपरिक वादक और शिल्पकार अब जीआई पहचान, आधिकारिक ब्रांड और लोगो के साथ मांदर को बाजार में बेच सकेंगे। इससे झारखंड में पारंपरिक तरीके से तैयार किए जाने वाले मांदर की अलग पहचान बनेगी और दूसरे क्षेत्रों में बने मिलते-जुलते या नकली उत्पादों से इसे अलग करना आसान होगा।

जीआई टैग मांदर को भौगोलिक पहचान को सुरक्षित रखने के साथ पारंपरिक कारीगरों के हुनर और इस लोकवाय से जुड़ी विरासत को संरक्षित करने में भी मदद करेगा। उपभोक्ता भी जीआई पहचान के जरिए झारखंड के पारंपरिक मांदर की पहचान कर सकेंगे। इससे नकली या बिना अधिकृत पहचान वाले उत्पादों पर रोक लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

खास मिट्टी से बनता है मांदरः 69 वर्षीय मनपूरन नायक 56 साल से मांदर बजा रहे हैं। 13 साल की उम्र में 1970 में आकाशवाणी में उनका चयन हुआ था। अब महिलाएं भी मांदर बजाने के लिए आगे आ रही हैं। नायक होटवार स्थित कला मंदिर में उन्हें प्रशिक्षण देते हैं।

नायक ने कहा, जब से गीत-संगीत का जन्म हुआ, तब से मांदर है। यह मिट्टी से बनता है, इसलिए हमारे लिए सबसे खास है। इसे जीआई टैग मिलना पुरखों और माटी का सच्चा सम्मान है। मांदर की आवाज ढोल, ढोलकी, नगाड़ा और डफली जैसे वाद्यों से ज्यादा खनकदार होती है।

टैक्स ऑडिट और आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा बढ़ी, करदाताओं को राहत

मेट्रो रेज

रांची: करदाताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने असेसमेंट ईयर 2026-27 (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए उन करदाताओं के मामले में टैक्स ऑडिट रिपोर्ट और संबंधित इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समयसीमा बढ़ा दी है, जिनके खातों का ऑडिट कराना अनिवार्य है। सीबीडीटी के इस फैसले से टैक्स प्रोफेशनल्स और ऑडिट के दायरे में आने वाले कारोबारियों को अतिरिक्त समय मिल गया है।

नई व्यवस्था के तहत टैक्स ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 से बढ़ाकर 21 अक्टूबर 2026 कर दी गई है। वहीं, ऑडिट के दायरे में आने वाले संबंधित करदाताओं के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दी गई है।

आयकर विभाग के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 यानी असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए टैक्स ऑडिट में अभी पुराने कानून के तहत निर्धारित फॉर्म 3सीए/3सीबी/3सीडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। आयकर विभाग ने इससे पहले 30 सितंबर 2026 तक टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की जानकारी दी थी। ऑडिट वाले करदाताओं को मिलेगा अतिरिक्त समयः सीबीडीटी के फैसले से ऐसे कारोबारी, पेशेवर और अन्य करदाता लाभान्वित होंगे, जिनके लिए आयकर कानून के तहत खातों का ऑडिट कराना जरूरी है। ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने, आंकड़ों के मिलान और जरूरी दस्तावेजों को अंतिम रूप देने के लिए अब अतिरिक्त समय उपलब्ध होगा।

टैक्स विशेषज्ञों और पेशेवर संगठनों की ओर से भी समयसीमा बढ़ाने की मांग की जा रही थी। उनका कहना था कि ऑडिट और रिटर्न से जुड़ी अनुपालना पूरी करने के लिए मौजूदा समय कम पड़ रहा है। समयसीमा बढ़ने से करदाताओं और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को रिपोर्ट की जांच और सत्यापन के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

सभी आईटीआर दाखिल करने वालों पर लागू नहींः यह विस्तार सभी करदाताओं के लिए सामान्य आईटीआर की समयसीमा बढ़ाने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सीबीडीटी का यह निर्णय मुख्य रूप से ऑडिट के दायरे में आने वाले निर्दिष्ट करदाताओं के लिए है। सामान्य व्यक्तिगत करदाताओं की आईटीआर समयसीमा अलग है।

आयकर विभाग की ओर से भी करदाताओं को समय पर अपनी कर संबंधी अनुपालना पूरी करने की सलाह दी गई है। विभाग ने सितंबर में टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने को लेकर लगातार रिमाइंडर जारी किए थे।

सीबीडीटी के इस फैसले से रांची समेत पूरे झारखंड के ऑडिट के दायरे में आने वाले कारोबारियों और पेशेवरों को राहत मिलने की उम्मीद है। अब उन्हें टैक्स ऑडिट रिपोर्ट और संबंधितआईटीआर तैयार कर दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

रांची में करम इंद जतरा महोत्सव धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ संपन्न

रांची: राजधानी रांची के दलादिली जतरा मैदान में रविवार को इंद जतरा समिति की ओर से करम इंद जतरा महोत्सव पर भगवान इंद्र की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खोड़हा और टोली ने अपनी लोक संस्कृति तथा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख व विशिष्ट अतिथि राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह शामिल हुए। जहां स्वागत समिति द्वारा उन्हें अंगवस्त्र व बैच लगाकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन अमित मुंडा द्वारा किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख, विशिष्ट अतिथि राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, समिति के संरक्षक रातु के पूर्व प्रमुख सुरेश मुंडा ने संयुक्त रूप से बताया कि इंद जतरा समिति दलादिली की ओर से पिछले 26 वर्षों से कर्म पर्व के उपलक्ष्य में मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव शक्ति और जीवन का प्रतीक माने जाने वाले कर्म देवता को समर्पित है। इस त्योहार में पारंपरिक नृत्य और गीत प्रमुख हैं, जो उत्साह और आस्था को दर्शाते हैं। उन्होंने बताया कि कर्म पर्व पर जतरा मेला लगता है, जहां लोग दूर-दूर से खोड़हा और टोली के रूप में पारंपरिक लोकगीत, लोक नृत्य के साथ पारंपरिक वाद्य यंत्र मांदर, ढोल और नगाड़ा बजाते हुए आते हैं। उन्होनें कहा कि जिस तरह हिंदू रीति रिवाज में तुलसी के पौधे का महत्व है, ठीक उसी प्रकार आदिवासी समाज में कर्म पेड़ का महत्व है। कहा कि इस मौके पर यह विवाहित आदिवासी यूतियां जावा त्योहार मनाती हैं । जिसमें नौ प्रकार के बीजों से एक छोटी टोकरी सजाती है जो कर्म पर्व प्रकृति के प्रति सम्मान और उसके संरक्षण का संदेश देता है। कहा यह पर्व अच्छी फसल और कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए मनाया जाता है। इस पर्व में लोग अपने परिवार और समाज में खुशहाली वह समृद्धि तथा अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं।

इस महोत्सव में आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से लोग खोड़हा और टोली के रूप में पारंपरिक लोकगीत नृत्य, पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल, नगाड़ा, मांदर बजाते हुए करम इंद् जतरा मिलन समारोह में शामिल हुए।

अतिथियों ने समिति की ओर से खोडहा टोलियों में शामिल लोगों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कार स्वरूप एक एक पानी का बड़ा ड्राम, स्व सुभाष मुंडा की प्रतीक चिन्ह के रूप में उनकी तस्वीर, शॉल और नकद राशि देकर सम्मानित किया।

समारोह में समाजसेवी अभिषेक मिश्रा, रामाशीष शर्मा, अशोक दुबे, बाबू शंभू सिंह, यश सिंह परमार, अजय राय, रामभरोस महतो, राजू सेवा सदन के प्रो डॉ राजू, नगरी प्रमुख मधुवा कच्छप, कीर्ति सिंह मुंडा, जय गोविंद मुंडा, उमेश मुंडा, प्रदीप कुजुर, शंकर उरांव, कपिल महतो, लाखन सिंह, प्रकाश मंडा, मंसूरी, नीमा तिर्की, राजू मुंडा, शिवनाथ मुंडा, बुधराम उरांव, महावीर उरांव, दिनेश उरांव, व अजय तिर्की के साथ कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

कुकड़ू हाट बाजार में पांच पुलिसकर्मियों की हत्या मामले में नक्सली सुनील टुडू की जमानत पर फैसला 5 अक्टूबर को

रांची: एनआईए के विशेष न्यायाधीश अभिमन्यु कुमार की अदालत में पांच पुलिसकर्मियों की हत्या और हथियार एवं गोला-बारूद लूटने के मामले में आरोपी हार्डकोर नक्सली सुनील टुडू की जमानत याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। मामले में अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से दलीलें पेश की गईं। दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने फैसला सुनाने के लिए 5 अक्टूबर 2026 की तिथि निर्धारित की है। सुनील टुडू झारखंड में सक्रिय रहे प्रतिबंधित माओवादी संगठन से जुड़ा हार्डकोर नक्सली बताया गया है। उस पर 14 जून 2019 को सरायकेला-खरसावां जिले के कुकडू हाट बाजार में हुए नक्सली हमले में शामिल होने का आरोप है। इस हमले में नक्सलियों ने पुलिसकर्मियों को निशाना बनाया था, जिसमें पांच पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे।

नाबालिग के अपहरण के पीछे बड़ा आपराधिक नेटवर्क, बच्चे को बेचने और अपराध की ट्रेनिंग देने का आरोप, पांच गिरफ्तार

मेट्रो रेज

रांची: रांची पुलिस ने साहिबगंज पुलिस की मदद से एक नाबालिग बच्चे के अपहरण के मामले का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बच्चे को अपहरण के बाद बेचने की कथित योजना थी। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह नाबालिगों को दूसरे राज्य में ले जाकर उनकी पहचान छिपाने तथा उन्हें अपराध की दुनिया में धकेलने की तैयारी कर रहा था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, नाबालिग अपनी मां के साथ स्टेशन के बाहर मौजूद था। इसी दौरान मां के कुछ देर के लिए हटते ही आरोपियों ने कथित रूप से बच्चे का अपहरण कर लिया। बच्चे के अचानक गायब होने के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई और मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। तकनीकी निगरानी और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस को बच्चे के साहिबगंज के तीनपहाड़ इलाके में होने की जानकारी मिली। इसके बाद रांची पुलिस की टीम ने साहिबगंज पुलिस के सहयोग से तीनपहाड़ इलाके में कार्रवाई करते हुए बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया।

बच्चे को बेचने और मोबाइल चोरी की ट्रेनिंग देने की कथित साजिश

पुलिस की पूछताछ में कथित तौर पर यह बात सामने आई कि बच्चे के अपहरण के पीछे उसे अगवा करना ही मुख्य उद्देश्य नहीं था। आरोप है कि उसे मोटी रकम में बेचने की योजना बनाई गई थी। इसके अलावा बच्चे को मोबाइल चोरी जैसे अपराधों की ट्रेनिंग देने की भी कथित साजिश थी।

पुलिस के अनुसार, गिरोह अपहृत बच्चों को उनके राज्य से दूर किसी दूसरे राज्य में ले जाकर उनसे अपराध करवाता था, जिससे उनकी पहचान भी छिपी रहे। इस खुलासे के बाद पुलिस ने मामले को सामान्य अपहरण से आगे एक संगठित आपराधिक नेटवर्क से जोड़कर जांच शुरू कर दी है।

जीआरपी और आरपीएफ एक-दूसरे पर डालते रहे जिम्मेदारी : पुलिस के अनुसार, बच्चे के अचानक गायब होने के बाद परिजन मामले की गंभीरता को लेकर जीआरपी और आरपीएफ के पास पहुंचे। इस दौरान दोनों के बीच जिम्मेदारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। बाद में पीड़ित चुटिया थाना पहुंचा, जिसके बाद रांची पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर संदिग्धों तक पहुंचने का प्रयास किया। इसी क्रम में बच्चे को साहिबगंज के तीनपहाड़ इलाके में ले जाए जाने की जानकारी मिली।

पांच आरोपी गिरफ्तारः कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान छोटू नोनिया (25), पिता राजू नोनिया, निवासी बाबूपुर, थाना तीनपहाड़, क्यूम अंसारी (18), पिता इरशाफिल अंसारी, निवासी नया टोला पाकुड़, थाना हटपाड़ा; बिट्टू कुमार सिंह (20), पिता स्व। राम प्रताप सिंह, निवासी बाबूपाड़ा, थाना तीनपहाड़; तसवीर शेख (45), पिता स्व। अजीम शेख, निवासी तीनपहाड़ नीचे टोला, थाना तीनपहाड़; तथा जमेदार शेख (41), पिता सात्तार शेख, निवासी नया बाजार राजमहल, थाना राजमहल, जिला साहिबगंज के रूप में हुई है।

पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान आरोपियों से बच्चे को बेचने और उसे मोबाइल चोरी जैसे अपराधों के लिए प्रशिक्षित करने की कथित योजना से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

बच्चे को अपराध की दुनिया में धकेलने का आरोपः मामले का सबसे गंभीर पहलू पुलिस द्वारा सामने लाई गई कथित योजना है। पुलिस के अनुसार, बच्चे को आर्थिक लाभ के लिए बेचने के साथ-साथ उसे अपराध में इस्तेमाल करने की तैयारी थी। यदि जांच में ये आरोप प्रमाणित होते हैं, तो मामला केवल अपहरण या अवैध रूप से बच्चे को बेचने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नाबालिग को संगठित अपराध में धकेलने की कोशिश का भी मामला बन सकता है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने बच्चे को कहां रखने की योजना बनाई थी, उसका खरीदार कौन था और इस पूरे नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही आरोपियों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड और उनके आपसी संर्पकों की भी जांच की जा रही है।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का मशाल जुलूस आज, कल झारखंड बंद

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा द्वारा 24 जिलों एवं 200 से ज्यादा प्रखंडों में 30 सितंबर को आहूत बंद को लेकर आज मशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

यह मशाल जुलूस झारखंड आंदोलनकारी के बाल- बच्चों के अधिकारों एवं आंदोलनकारियों के स्वाभिमान की रक्षा के लिए आयोजित है। झारखंड आंदोलनकारियों की मांगे है कि न्याय के साथ सम्मान और समाज में स्वाभिमान के साथ जीने के अधिकार के तहत राजकीय मान सम्मान ,अलग पहचान पुत्र- पुत्रियों एवं आश्रितों के रोजी रोजगार एवं नौकरियां की सौ प्रतिशत की गारंटी तथा जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु सरकार के देने के आश्वासन पर अमल करने को लेकर किया गया है।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि आज झारखंड आंदोलनकारी गण प्रत्येक दिन मरते जा रहे हैं सरकार में सुध लेने वाला कोई नहीं है। 20 से 25 हजार आंदोलनकारी की मौत अब तक राज्य बनने के बाद हो चुकी है। कई आंदोलनकारी आज बड़ी संख्या में किसी न किसी रूप से बीमार हैं। आर्थिक तंगी, कुपोषण तथा सामाजिक उत्पीड़न का शिकार हो रहें हैं।

उन्होंने कहा कि आज पूरे राज्य में सरकार के आश्वासनों पर अमल नहीं होना और सरकार के संकल्प का पालन नहीं होने के कारण झारखंड आंदोलनकारी में आक्रोश व्याप्त है। यह आक्रोश आज मशाल जुलूस के रूप में और कल 30 सितंबर को झारखंड बंद के दौरान देखने को मिलेगा। अबुआ सरकार में झारखंड आंदोलनकारियों के अबुआ बाल बच्चों के अधिकारों की रक्षा के प्रति कोई संवेदनशीलता दिखाई नहीं देना दुर्भाग्य की बात है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा।
(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता पुरुष पुरन बड़ाईक, उम्र–करीब 55 वर्ष, पे0–स्व0 बिपता बड़ाईक, सा0–टी0टॉंगर, थाना–टी0टॉंगर, जिला–सिमडेगा, राज्य–झारखण्ड, दिनांक–05.08.2026 को बिना किसी को बताये घर से कहीं चला गया है। पुरन बड़ाईक अबतक अपने घर वापस नहीं आया है साथ ही मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है। लापता पुरुष की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है–

हुलिया की विवरणी :–
लिंग :–पुरुष।
उम्र :–55 वर्ष।
रंग :–गोरा।
ऊँचाई :– 05 फीट।
भाषा :– सादरी एवं हिन्दी।
पहनावा :– काला रंग का पैंट एवं हरा रंग का टी–शर्ट।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त लापता पुरुष के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा– मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, टी0टॉंगर – मोबाइल नं0–9431706232
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा– मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0 – मोबाइल नं0–1800–3456–256

PR 390642 Simdega(26-27)D
पुलिस अधीक्षक,सिमडेगा।

झारखंड पुलिस को मिली 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता की मेजबानी, खेलगांव में जुटेंगे देशभर के तीरंदाज

22 से 26 अक्टूबर होगा प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

रांची: झारखंड पुलिस एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर की बड़ी खेल प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रही है। राज्य में 15वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन 22 से 26 अक्टूबर तक किया जाएगा। रांची के होटवार स्थित खेलगांव परिसर में आयोजित होने वाली इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर की पुलिस टीमों और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के तीरंदाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

देशभर के पुलिस तीरंदाज दिखाएंगे निशानेबाजी का हुनरः इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी का जिम्मा केंद्रीय खेल नियंत्रण बोर्ड ने झारखंड पुलिस को सौंपा है। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की पुलिस टीमों के साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। पांच दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में तीरंदाज अपनी सटीक निशानेबाजी, धैर्य और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता के सफल और सुचारू संचालन के लिए झारखंड पुलिस ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

25 आईपीएस संभालेंगे जिम्मेदारी, खेलगांव में जुटेंगे तीरंदाजः आयोजन को व्यवस्थित और भव्य बनाने के लिए 25 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को अलग-अलग महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गयी हैं। सभी अधिकारियों के साथ प्रतियोगिता के विभिन्न पहलुओं के संचालन और व्यवस्था से जुड़े कार्य कों लेकर मांगलवार कों पुलिस मुख्यालय में बैठक होगी। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता के आयोजन से रांची एक बार फिर पुलिस खेल गतिविधियों के केंद्र में रहेगा। खेलगांव परिसर में 22 से 26 अक्टूबर तक देशभर के पुलिस तीरंदाजों का जमावड़ा होगा।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

हरियाणवी प्रतिभाओं को संबल

हरियाणा सरकार के उस फैसले का स्वागत ही किया जाना चाहिए, जिसमें सरकार ने राज्य में नई खोजों को प्रोत्साहन देने के लिये पचास हजार रुपये तक की, पेटेंट रजिस्ट्रेशन फीस की प्रतिपूर्ति करने का निर्णय किया है। निश्चय ही इस कदम से उन छात्रों को संबल मिलेगा जो सीमित संसाधनों में राज्य व देश के लिये कुछ महत्वपूर्ण खोज करने का संकल्प रखते हैं। लेकिन पेटेंट तो महज एक शुरूआत भर है। असली मुश्किल सवाल यह है कि पेटेंट सर्टिफिकेट मिलने पर मेधावी युवा क्या करेंगे। निर्विवाद रूप से भारत में प्रतिभावान छात्रों, रिसर्च पेपर्स या पेटेंट की कोई कमी नहीं है। दरअसल, कमी है तो उस इकोसिस्टम की जो किसी विचार या आइडिया को लैब या विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट से निकालकर व्यावसायिक दृष्टि से सफल उत्पाद बनाता है। यही वजह है कि छात्रों को पेटेंट के लिये पैसे देने में मदद करने वाली नीति के साथ-साथ प्रोटोटाइपिंग, टेस्टिंग, बौद्धिक संपदा संरक्षण और नये विचार को मार्केट तक पहुंचाने में मदद मिलनी चाहिए। अन्यथा खोज व अनुसंधान अर्थव्यवस्था के महज पेटेंट कल्चर तक ही सिमट जाने का खतरा पैदा हो सकता है। जिसमें समाधान खोजने के बजाय पेटेंट फाइल करने पर इनाम दिया जाता है। सही मायने में इसके लिये कारगर समाधान तलाशने हेतु विश्वविद्यालयों को उद्योग जगत से और करीब से जोड़ने की जरूरत है। छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं की पहचान करने,कंपनियों और सरकारी संस्थानों के साथ काम करने और ऐसे उत्पाद बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिनके लिये चिन्हित उपयोगकर्ता की पहले से पहचान हो सके। सही मायने में राज्य में शोध-अनुसंधान का वातावरण बनाने के लिये तमाम व्यावहारिक पक्षों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नई खोज करने वाले प्रतिभागियों को वित्तीय मदद, उत्पादन के लिये उपयोगी ढांचा, रेगुलेशन और मार्केटिंग से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद की जानी चाहिए। हरियाणा के लिये यह अवसर बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य के विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान खेती से जुड़ी विभिन्न तकनीकों, जल प्रबंधन, उत्पादन, हेल्थकेयर और स्वच्छ ऊर्जा आदि अन्य क्षेत्रों में इनोवेशन के इंजन बन सकते हैं। इसके लिये सिर्फ एक बार प्रोत्साहन राशि देने के बजाय लगातार निवेश करने की जरूरत होगी। राज्य को अपनी पेटेंट पॉलिसी की सफलता को सिर्फ पेटेंट की फीस की प्रतिपूर्ति वाले आवेदनों की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से अपनी सफलता का मूल्यांकन करना चाहिए कि उन पेटेंटों से व्यवहार में क्या हासिल हुआ। मसलन राज्य में कितने स्टार्ट-अप बने। राज्य में कितनी टेक्नोलॉजी का व्यवसायीकरण हुआ। उससे राज्य में नौकरियों की संख्या में कितनी वृद्धि हुई। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि पेटेंट किसी विचार या खोज को सुरक्षा देता है। लेकिन वह इस बात की गारंटी कदापि नहीं है कि व्यवहार में उसका उपयोग राज्य व देश के लिये कितना लाभदायक होगा। यही वजह है कि हरियाणा को व्यवहार में ज्यादा से ज्यादा समस्याओं के समाधान करने वाले उद्यमों और उत्पाद बनाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

एआई का भस्मासुर

निरंतर निरंकुश होते एआई को लेकर टेक दिग्गज और माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने जो कहा, दुनिया भर उससे सकते में है। बिल गेट्स आईटी के दिग्गज हैं और उनकी संवेदनशीलता की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। उन्होंने चेताया है कि एआई तकनीक यदि गलत हाथों में गई तो करोड़ों मौतों की वजह बन सकती है। उनका कथन है कि मानवता के इतिहास में एआई एडवांस टूल जैसा घातक हथियार पहले नहीं बना। एक अमेरिकी चैनल से बातचीत में गेट्स ने एआई के आसन्न खतरे को लेकर आशंका जताते हुए इसके नियमन के लिये कानून बनाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि बिल गेट्स की यह चेतावनी ऐसे वक्त में आई है जब एआई की दिग्गज कंपनियों ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के एआई एजेंट्स बेकाबू हो रहे हैं। पिछले दिनों आस्ट्रेलिया ने कड़ा प्रतिवाद किया कि ओपन-एआई के एजेंट्स ने उनकी स्वास्थ्य सेवाओं की वेबसाइट हैक कर ली थी। इतना ही नहीं, महीनों तक कंपनी इस बात की जानकारी आस्ट्रेलिया सरकार को नहीं दे पायी। इससे भी बढ़कर एआई एजेंट्स खुद अमेरिका के लिये भी तब भस्मासुर साबित हुए, जब ओपन-एआई के एजेंट्स ने अमेरिकी सरकार की वेबसाइट्स पर भी हमला बोला। इतना ही नहीं, उसने वेबसाइट्स पर हमला किया और जानकारी सार्वजनिक कर दी। यही वजह है कि एबीसी न्यूज के एक कार्यक्रम में बिल गेट्स को चेताना पड़ा कि घातक इरादे रखने वाले अपराधी इसके जरिये तबाही ला सकते हैं। इस आशंका की पुष्टि इस बात से होती है कि स्वयं एंथ्रोपिक बता चुकी है कि यमन के चरमपंथियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों के संचालन, नियंत्रण और नेविगेशन सॉफ्टवेयर बनाने के लिये क्लॉड एआई का प्रयोग करने का प्रयास किया था। एआई की अग्रणी कंपनी ओपन-एआई ने स्वीकारा है कि उसके एआई मॉडलों ने ऐसे कदम उठाये हैं, जो कंपनी की इच्छा के विपरीत थे। आज ओपन-एआई समेत दुनिया की तमाम दिग्गज एआई कंपनियों के सूत्रधार मान रहे हैं कि दुनिया के सभी देशों को मिलकर इस तकनीक के सुरक्षा मानकों का निर्धारण करना चाहिए। जिससे लगातार ताकतवर होते एआई पर नियंत्रण रखा जा सके। हाल के दिनों में एआई एजेंट्स के खुद ही वेबसाइट्स को शिकार बनाने और दुनिया में अशांति के वाहक चरमपंथी गुटों द्वारा मिसाइल सॉफ्टवेयर में एआई के इस्तेमाल की खबरों ने तमाम आशंकाएं पैदा कर दी हैं। निस्संदेह, ऐसे हालात में एआई के तीव्र गति से हो रहे विकास को निमार्ता कंपनियों के सेल्फ-रेगुलेशन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जानकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की इन आशंकाओं को बेबुनियाद बताते हैं कि एआई के नियमन से इसकी विकास की रफ्तार धीमी होगी। विडंबना यह है कि खुद ट्रंप ही एआई नियमन से जुड़े कानून बनाने का विरोध कर रहे हैं। उनकी आशंका है कि ऐसा करने से चीन एआई की दौड़ में आगे निकल जाएगा। जबकि बिल गेट्स ही नहीं, दुनिया की दिग्गज एआई कंपनियों ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के सूत्रधार भी इसको लेकर वैश्विक सुरक्षा मानकों की वकालत कर रहे हैं। निस्संदेह, हाल ही में एआई एजेंट की आस्ट्रेलिया के हेल्थ पोर्टल को हैक करने की कोशिश के बाद भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऐसे वक्त में जब एआई अपनी तय की गई सीमाओं से आगे निकल रहा है, तो आशंका बढ़ रही है कि कहीं करोड़ों भारतीयों की आर्थिक सुरक्षा खतरे में तो नहीं पड़ जाएगी? आज करोड़ों भारतीय बैंकिंग,पेमेंट, सरकारी सेवाओं, हेल्थकेयर आदि तमाम जरूरतों के लिये डिजिटल सिस्टम पर निर्भर हैं। कुछ प्लेटफॉर्म हजारों सरकारी सेवाओं को एक साथ लाते हैं। ऐसे में एक कड़ी की कमजोरी से बड़ा नुकसान हो सकता है। जिसके लिये भारत को अपनी साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में गंभीरता से विचार करना होगा। आशंका व्यक्त की जा रही है कि एआई की मदद से साइबर अपराधी साइबर हमलों को तेज और अधिक जटिल बना सकते हैं। इन तमाम आशंकाओं के बावजूद एआई का प्रयोग बंद नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन इसकी विवेकशील सीमाएं तय करने की जरूरत है। निस्संदेह,किसी भी इनोवेशन को इंसान द्वारा तय की गई सीमा के भीतर ही काम करना चाहिए।

...तो बैंकिंग सेवा को क्यों सीमित करने की मांग

किसी निजी कर्मचारी को भी सप्ताह में छह दिन काम करना पड़ता है। किसी श्रमिक के पास रविवार ही एकमात्र अवकाश है। वह बैंक की शाखा में कब जाए? उसे यह कह देना कि मोबाइल बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल करे। वास्तव में समझना होगा कि यह हर समस्या का समाधान नहीं है। भारत का बड़ा हिस्सा आज भी शाखा आधारित बैंकिंग पर निर्भर है।

देश की अर्थव्यवस्था बदल रही है और उसके साथ बैंक की भूमिका भी। आज बैंक रुपये जमा करने और निकालने के साथ ही वेतन, पेंशन, किसान भुगतान, व्यापारिक लेन-देन, ऋण, निवेश, सरकारी योजनाओं की राशि और डिजिटल भुगतान, सबकी धुरी बन चुका है। ऐसे समय में सप्ताह में दो दिन बैंक शाखाओं को बंद करने की मांग पर एक बुनियादी सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह बदलती आर्थिक जरूरत का उत्तर है या कर्मचारी सुविधा का विस्तार?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मान लीजिए किसी छोटे दुकानदार की दुकान सोमवार से शनिवार तक खुलती है। किसी निजी कर्मचारी को भी सप्ताह में छह दिन काम करना पड़ता है। किसी श्रमिक के पास रविवार ही एकमात्र अवकाश है। वह बैंक की शाखा में कब जाए? उसे यह कह देना कि मोबाइल बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल करे। वास्तव में समझना होगा कि यह हर समस्या का समाधान नहीं है। भारत का बड़ा हिस्सा आज भी शाखा आधारित बैंकिंग पर निर्भर है। वरिष्ठ नागरिकों, छोटे कारोबारियों, ग्रामीण ग्राहकों और जटिल दस्तावेजी कार्यों वाले लोगों के लिए बैंक की भौतिक शाखा आज भी आवश्यक है, इसलिए शनिवार बैंक के लिए एक कार्यदिवस से कहीं बढ़कर वह ग्राहक के लिए एक अतिरिक्त सेवा-दिवस भी है। फिर बैंक कर्मचारियों को यह भी याद रखना ही चाहिए कि सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए नियमानुसार विभिन्न अवकाश पहले से उपलब्ध हैं, इसलिए हर सप्ताह दो दिन का स्थायी अवकाश मांगते समय वह यह भी विचारें कि इससे नागरिक को मिलने वाली सेवा पर क्या असर पड़ेगा। सार्वजनिक संस्थान का मूल उद्देश्य जनता को सेवा देना है। यहीं पांच दिवसीय बैंकिंग के पक्ष में दिया जाने वाला यह तर्क भी अधूरा लगता है कि सोमवार से शुक्रवार तक रोजाना अतिरिक्त समय देकर शनिवार की भरपाई हो जाएगी। कर्मचारी के कुल कार्यघंटे संतुलित हो सकते हैं, किंतु उस ग्राहक के लिए शनिवार की सेवा वापस कैसे आएगी जो सप्ताह के बाकी छह दिनों में काम करता है? अतः कर्मचारी के समय और ग्राहक की सुविधा को एक ही पैमाने से नहीं मापा जा सकता, जिसमें कि शाम चार बजे के बाद बैंक किसी भी ग्राहक को बैंक के अंदर नहीं घुसने देती हों!

वस्तुतः बैंकिंग व्यवस्था का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि सरकार को मौजूदा सितंबर के घटनाक्रम में रविवार को भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को खोलने की व्यवस्था करनी पड़ी है। 28 से शुरू की गई और 30 सितंबर तक चलने वाली हड़ताल के आह्वान के बीच यह भी देखें कि 30 सितंबर को अर्धवार्षिक लेखा समापन भी है। सप्ताहांत और हड़ताल के लगातार पड़ने से बैंकिंग सेवाओं पर कई दिनों तक प्रभाव पड़ने की आशंका स्वभाविक ही है। जब सरकार को बैंकिंग व्यवस्था सुचारु रखने के लिए रविवार को बैंक खोलने पड़ रहे हों, तब यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी इस सेवा को नियमित रूप से एक और दिन बंद करने की मांग को किस आधार पर उचित माना जाए? बैंक से जुड़े कर्मचारी यह समझें कि श्रम का सम्मान उस जिम्मेदारी में भी है जिसके लिए कर्मचारी को समाज भुगतान करता है। डॉक्टर, पुलिसकर्मी, अग्निशमनकर्मी, बिजलीकर्मी या परिवहनकर्मी यह तय नहीं कर सकते कि समाज की जरूरत सप्ताहांत में समाप्त हो गई। बैंकिंग भी आज धीरे-धीरे ऐसी ही अनिवार्य सेवा बनती जा रही है, यदि नागरिक को शनिवार की बैंकिंग सेवा की जरूरत है तो वह उसे मिलनी ही चाहिए। इस संबंध में भारतीय मजदूर संघ का वर्तमान रुख जरूर संतुलित नजर आया है। बीएमएस ने कार्य-जीवन संतुलन, महिला कर्मचारियों की समस्याओं, पेंशनभोगियों, चिकित्सा सुविधाओं, शिकायत निवारण और स्थानांतरण नीति जैसे मुद्दों को भी उठाया है और संवाद के रास्ते को प्राथमिकता देने की बात कही है। यहां एक व्यापक प्रश्न सामने आता हैः क्या कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए हड़ताल ही सबसे प्रभावी रास्ता है? क्या यह बैंक कर्मचारियों को नहीं समझ आता कि बैंकिंग जैसे क्षेत्र में हड़ताल का असर उस आम नागरिक पर पड़ता है जो विवाद में शामिल ही नहीं है? वस्तुतः व्यापारी का भुगतान अटक सकता है, पेंशनभोगी परेशान हो सकता है, जरूरी नकदी की समस्या पैदा हो सकती है और कारोबार की गति प्रभावित हो सकती है, इसलिए बैंकिंग क्षेत्र में आंदोलन का प्रत्येक निर्णय लोकहित की कसौटी पर भी देखा जाना चाहिए। आज यह हड़ताल करनेवालों से अवश्य पूछा जाए कि भारत की अर्थव्यवस्था सप्ताहांत पर बंद नहीं होती, बाजार खुले रहते हैं, कारोबार चलता है, परिवहन चलता है, ऑनलाइन भुगतान चलता है, वित्तीय लेन-देन चलता है। ऐसे में बैंकिंग की शाखा-व्यवस्था को लगातार कम उपलब्ध कराना बदलती अर्थव्यवस्था के साथ कितना संगत है, क्या यह उपभोक्ता के साथ न्याय है, जिसके रुपयों की दम पर बैंकिंग सेवा में कर्मचारियों के घर चल रहे हैं? फिर पांच दिवसीय बैंकिंग की बहस को सिर्फ शनिवार की छुट्टी की मांग के रूप में देखने से उसका सबसे महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है। यह प्रश्न है कि सार्वजनिक बैंक किसके लिए हैं? कर्मचारी के लिए वे रोजगार हैं, बैंक प्रबंधन के लिए संस्था हैं, मगर नागरिक के लिए वे उसकी आर्थिक जिंदगी का आधार हैं, इसलिए बैंक कर्मचारियों की उचित कार्यस्थितियां सुनिश्चित हों, उन्हें पर्याप्त विश्राम मिले और उनका सम्मान बना रहे, यह जरूरी है, ये कौन मना कर रहा है? पर साथ ही यह भी उतना ही जरूरी है कि बैंकिंग सेवा नागरिक की बदलती जरूरतों के अनुरूप उपलब्ध रहे।

वस्तुतः भारत को ऐसी बैंकिंग व्यवस्था चाहिए जिसमें कर्मचारी को मशीन की तरह काम करने के लिए बाध्य न किया जाए, मगर नागरिक को भी अपने बैंक तक पहुंचने के लिए पांच दिनों की सीमा में कैद न होना पड़े। अर्थव्यवस्था जब सातों दिन चल रही है, जब कई शासकीय संस्थानों के कर्मचारी भी सप्ताह में रविवार छोड़कर छह दिन अपना कार्य पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं, तब बैंक कर्मचारियों को अपने कार्य में क्यों दिक्कत आना चाहिए ?

ऐसे में यह स्वभाविक है कि बैंकिंग सेवा को पांच दिनों में सीमित करने का औचित्य सिर्फ कर्मचारी सुविधा से तय नहीं हो सकता। इसका उत्तर लोकहित, सेवा की आवश्यकता और बदलते आर्थिक भारत की वास्तविक जरूरतों में निहित है। यदि संपूर्ण भारत श्रमरत है, तब बैंक कर्मचारी यह नहीं कह सकते कि उन्हें अतिरिक्त अवकाश चाहिए। फिर सबके साथ से ही सबका विकास होना है और सबके विकास से ही विकसित भारत बनना है, इसलिए भी अच्छा यही होगा कि बैंक यूनियनें एवं कर्मचारी हर सप्ताह में दो दिन अवकाश की अपनी जिद छोड़ें। वैसे भी उनके पास हर साल तमाम सिंचित अवकाश रहते ही हैं जिनका कि वह समय-समय पर उपयोग करते हैं, तब अतिरिक्त शनिवार का बोझ देश की अर्थव्यवस्था पर डालना कहीं से भी उचित नहीं है।

पाकिस्तान के भीतर जाकर भारत ने किया आतंकवाद पर करारा प्रहार!

पाकिस्तान की 2026-27 की अध्यक्षता में यह पहली बड़ी बैठक है, जिसमें संगठन के आगामी कार्यक्रमों और बैठकों का कैलेंडर तय किया जाना है। भारत की इस भागीदारी ने साफ कर दिया है कि नई दिल्ली बहुपक्षीय मंचों से पीछे हटने की बजाय वहां अपनी रणनीतिक मौजूदगी और प्रभाव को और मजबूत करने की नीति पर आगे बढ़ रही है। साथ ही, आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत का कड़ा रुख भी बरकरार है।

भले ही भारत और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी की तलवारें खिंची हुई हों, भले ही हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र के दौरान दोनों देशों के बीच चले वाकयुद्ध को पूरी दुनिया ने देखा हो, लेकिन भारत ने पाकिस्तान की अध्यक्षता में हुई शंघाई सहयोग संगठन यानि एससीओ की राष्ट्रीय समन्वयक बैठक में हिस्सा लेकर दुनिया को एक बड़ा कूटनीतिक संदेश दे दिया है। 28 से 30 सितंबर तक इस्लामाबाद में हो रही इस बैठक में भारत की ओर से संयुक्त सचिव आलोक डिमरी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पाकिस्तान की 2026-27 की अध्यक्षता में यह पहली बड़ी बैठक है, जिसमें संगठन के आगामी कार्यक्रमों और बैठकों का कैलेंडर तय किया जाना है। भारत

-नीरज कुमार दुबे

की इस भागीदारी ने साफ कर दिया है कि नई दिल्ली बहुपक्षीय मंचों से पीछे हटने की बजाय वहां अपनी रणनीतिक मौजूदगी और प्रभाव को और मजबूत करने की नीति पर आगे बढ़ रही है। साथ ही, आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत का कड़ा रुख भी बरकरार है। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है
हम आपको बता दें कि पाकिस्तान ने अपनी अध्यक्षता के लिए ह्यदृष्टि को कार्रवाई में बदलनाः संपर्क, नवाचार और साझा समृद्धिह्ल का विषय चुना है। इस एजेंडे के जरिए इस्लामाबाद क्षेत्रीय संपर्क, आर्थिक सहयोग, नवाचार और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने का संदेश देना चाहता है। लेकिन पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि जिस मंच को वह अपनी कूटनीतिक सक्रियता दिखाने के अवसर के रूप में पेश कर रहा है, उसी मंच पर भारत लगातार आतंकवाद के प्रश्न को केंद्रीय सुरक्षा मुद्दे के रूप में सामने रखता आया है।
उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय स्तर पर लंबे समय से कोई सार्थक व्यापक संवाद नहीं है। इसके बावजूद भारत ने शंघाई सहयोग संगठन के बहुपक्षीय ढांचे को द्विपक्षीय विवादों से अलग रखा है। यही नई दिल्ली की कूटनीतिक रणनीति का महत्वपूर्ण पहलू है। पाकिस्तान के साथ सामान्य द्विपक्षीय संबंधों की बहाली और बहुपक्षीय मंच पर भारत की भागीदारी, दोनों को अलग-अलग रखा गया है।
यहीं पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती स्पष्ट होती है। इस्लामाबाद को एससीओ की अध्यक्षता मिली है, लेकिन भारत के साथ उसके संबंधों में वह परिस्थितियां अब भी मौजूद हैं जिनके कारण व्यापक द्विपक्षीय संवाद बंद पड़ा है। इसके बावजूद भारत पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली संगठनात्मक बैठकों में भाग लेकर यह संदेश दे रहा है कि बहुपक्षीय संस्थाओं को बंधक बनाकर द्विपक्षीय विवादों का समाधान नहीं किया जा सकता।
हम आपको यह भी बता दें कि भारत के एजेंडे में आतंकवाद का मुद्दा एक बार फिर सबसे ऊपर रहने वाला है। खास बात यह है कि इस बार जवाब पाकिस्तान की जमीन पर, उसी के मंच पर दिया जाएगा। पाकिस्तान जब एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी ढांचे की अध्यक्षता कर रहा है, तब भारत के लिए यह मंच इस्लामाबाद को आतंकवाद के सवाल पर सीधे घेरने का महत्वपूर्ण अवसर है। नई दिल्ली लगातार आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की मांग करती रही है। साथ ही भारत सीमा पार आतंकवाद तथा संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई को पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने की बुनियादी शर्त मानता है। ऐसे में एससीओ के मंच से पाकिस्तान में ही आतंकवाद का मुद्दा उठाना इस्लामाबाद के लिए कहीं अधिक कड़ा कूटनीतिक संदेश होगा। साथ ही कनेक्टिविटी के सवाल पर भी भारत की स्थिति स्पष्ट है। नई दिल्ली एससीओ के संपर्क और क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग से जुड़े प्रयासों का समर्थन करती है, लेकिन उसकी स्पष्ट शर्त है कि ऐसी कोई भी परियोजना सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन नहीं कर सकती। यानी भारत संपर्क के खिलाफ नहीं है, बल्कि वह संपर्क के नाम पर विवादित क्षेत्रों अथवा संप्रभुता से जुड़े सिद्धांतों को दरकिनार करने के खिलाफ अपनी स्थिति कायम रखता है। भारत की यही नीति पिछले वर्षों में भी दिखाई दी है। 2017 में एससीओ का पूर्ण सदस्य बनने के बाद भारत ने संगठन की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की। अक्टूबर 2024 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर पाकिस्तान में एससीओ के शासनाध्यक्षों की बैठक में शामिल हुए थे। जुलाई 2026 में भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल सीमा सुरक्षा से जुड़े एससीओ कार्यक्रम के लिए इस्लामाबाद गया था। भारतीय अधिकारी एससीओ के आतंकवाद-रोधी ढांचे से जुड़े अभ्यासों और विशेषज्ञ बैठकों में भी भाग लेते रहे हैं। नएस्थान तलाशें

अब नजर 2027 पर है। पाकिस्तान अगस्त 2027 में इस्लामाबाद में एससीओ राष्ट्राध्यक्ष शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान ने संकेत दिया है कि संगठन के सभी सदस्य देशों के नेताओं को निमंत्रण दिया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। लेकिन निमंत्रण मिलना और प्रधानमंत्री का पाकिस्तान जाना दो अलग-अलग विषय हैं। हम आपको यह भी बता दें कि शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने की थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में पूर्ण सदस्य बने थे। बाद में ईरान और बेलारूस भी इसमें शामिल हुए। संगठन का दायरा सुरक्षा से लेकर आर्थिक सहयोग, क्षेत्रीय संपर्क और आतंकवाद, अलगाववाद तथा उग्रवाद के खिलाफ सहयोग तक फैला हुआ है। बहरहाल, इस्लामाबाद की बैठक महज एक प्रशासनिक बैठक नहीं है। पाकिस्तान इसे अपनी अध्यक्षता के प्रभाव को स्थापित करने के अवसर के रूप में देख रहा है, जबकि भारत इसी मंच का इस्तेमाल अपनी सुरक्षा प्राथमिकताओं, आतंकवाद-विरोधी दृष्टिकोण और क्षेत्रीय संपर्क संबंधी सिद्धांतों को मजबूती से रखने के लिए कर रहा है। पाकिस्तान के सामने चुनौती यह है कि संगठन की अध्यक्षता उसके हाथ में होने के बावजूद भारत की भागीदारी उसकी शर्तों पर नहीं, बल्कि भारत की घोषित रणनीतिक प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ रही है। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण सामरिक और कूटनीतिक संदेश है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जीवित्पुत्रिका पर बच्चों से कराएं ये 3 शुभ कार्य, मिलेगा निरोगी काया और दीघार्यु का वरदान

हिंदू धर्म में जितिया या जीवित्पुत्रिका का विशेष महत्व माना जाता है। इस खास दिन पर माताएं अपने बच्चों की सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य व भविष्य की कामना में व्रत करती हैं और इस दिन राजा जीमूतवाहन की पूजा का विधान है।
इस बार यह पर्व 03 अक्टूबर को मनाया जाएगा। असल में इस व्रत को करने की परंपरा काफी पुरानी है और इस व्रत को निर्जला करते हुए पूजा की जाती है और बच्चों की सुख-समृद्धि के लिए कामना करती हैं। वैसे यह पर्व 3 दिनों तक चलता है। व्रत के पहले दिन नहाय-खाय की रस्म होती है, जिसमें माताएं पवित्र नदी में या फिर पानी में गंगाजल डालकर स्नान करती हैं और फिर शुद्ध शाकाहरी भोजन से व्रत की शुरूआत की जाती है।
इसके अगले दिन निर्जला उपवास रखा जाता है और तीसरे दिन सूर्योदय के बाद सूयर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत वाले दिन बच्चे कुछ शुभ कार्य करें, तो उनके ऊपर सदैव भगवान की कृपा रहती है। आइए आपको बताते हैं इस दौरान बच्चों को कौन से कार्य जरुर करने चाहिए, जो कि काफी शुभ होते हैं।

सूर्य देव को अर्घ्य दें

जितिया व्रत के दिन बच्चों सुबह स्नान करें और फिर सूर्य देव को अर्घ्य दें। ऐसा करने से उनकी बुद्धि अच्छी हो जाती है। यही नहीं ऐसा करने से उनकी सेहत अच्छी रहती है। जीवन में आने वाली छोटी-बड़ी समस्याओं का हल मिलेगा।
घर के बड़ों के साथ बच्चों को भी इस दिन सूर्य देव की पूजा जरुर करनी चाहिए। अर्घ्य देते समय 'ॐ सूर्याय नमः' मंत्र का जाप बच्चे 11 बार जरुर करें।

नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें

इस व्रत के दिन किसी पवित्र नदी में स्नान करना काफी शुभ माना जाता है, लेकिन ऐसा करना तभी संभव नहीं है, तो आप बच्चे के स्नान के पानी में गंगाजल की कुछ बूंदें मिलाकर उसी पानी से स्नान करना चाहिए।
ऐसा करने से रोग-दोष दूर होते हैं। बच्चों की बुद्धि और शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन गंगाजल से स्नान करने से शरीर और मन की कई समस्याएं दूर होती हैं।

घर के बड़ों का आशीर्वाद लें

असल में इस व्रत में मुख्य रुप से राजा जीमूतवाहन की पूजा का विधान है। कहा जाता है कि उन्होंने नागवंश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की बलि दी थी। जितिया व्रत में अगर माताएं और बच्चों दोनों राजा जीमूतवाहन की पूजा करते हैं, तो उनकी कृपा से बच्चों को दीघार्यु का आशीर्वाद मिलता है। यह दिन बच्चों के लिए जरुरी होता है कि वो घर के सभी बड़ों का आशीर्वाद लें। अगर बच्चे ऐसा करते हैं, तो उन्हें अच्छी सेहत और बुद्धि का आशीर्वाद प्राप्त मिलता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

झामुमो नेताओं ने फुंका मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला, जताया विरोध

साहिबगंज : झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह एवं जिला सचिव सुरेश टुडू के संयुक्त नेतृत्व में चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर जोरदार विरोध किया गया।इस दौरान कार्यकताओं द्वारा स्टेशन परिसर से स्टेशन चौक तक आक्रोश मार्च करते हुए ज्ञानेश कुमार मुदार्बाद,ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़ो,ज्ञानेश कुमार हाय हाय,मुख्य चुनाव आयुक्त की मनमानी नही चलेगी सहित कई अन्य नारे लगाये गए।इस दौरान जिला अध्यक्ष अरुण सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष प्रो नजरुल इस्लाम,सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम सुरेश टुडू मोहम्मद मारुफ ज़िप अध्यक्ष सह झामुमो नेत्री मोनिका किस्कू ने अपने अपने संबोधन में चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा मनमानीपूर्ण तरीके से लिये गए विभिन्न फैसलों के विरुद्ध जमकर भड़ास निकाली व कहा कि आखिर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा लोकतंत्र के विरुद्ध जाकर मनमानीपूर्ण तरीके से लिए गए विभिन्न फैसले किसके इशारों पर लिया गए?इस तरीके से मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा लिए गए फैसलों का हमारी पार्टी पुरजोर विरोध करती है और हमारी पार्टी माननीया राष्ट्रपति महोदया से यह मांग करती है मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को शीघ्र ही पदमुक्त करें।मौके पर केंद्रिय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बब्लू मिश्रा,केंद्रिय समिति सदस्य मुजिबुर रहमान,अखलाकुर रहमान,जंगबहादुर सिंह बरहेट प्रखंड अध्यक्ष बर्नाड मरांडी,पतना प्रखंड अध्यक्ष गुरु हेंब्रम सचिव मोहम्मद शाहबाज,बोरियो प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू, सुबोध सोरेन,आयुब शेख,धर्मवीर कुमार महतो युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष देव सोरेन मोहम्मद अली अंसारी एजाज अंसारी जिला मिडिया सदस्य एजाज अंसारी, अरशद अंसारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मजदूरों की मांगों को लेकर झारखंड मजदूर संघ ने चलाया जनसंपर्क अभियान

साहिबगंज : झारखंड मजदूर संघ की ओर से केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव के नेतृत्व में सोमवार को कमल टोला साहिबगंज स्टेशन चौक गुड़ बाजार सहित विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान मजदूरों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों पर चर्चा करते हुए यूपीआई के माध्यम से 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर चार्ज,टैक्स लगाने की प्रस्तावित नियमावली को वापस लेने की मांग उठाई गई।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि मजदूरों और आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाली किसी भी व्यवस्था का संघ विरोध करेगा।उन्होंने कहा कि मजदूरों की समस्याओं को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा और मांगों के समाधान के लिए सरकार एवं प्रशासन तक आवाज पहुंचाई जाएगी।उन्होंने संघ के सदस्यों एवं मजदूरों से आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया।उन्होंने बताया कि 30 सितंबर 2026 को सभी प्रखंडों में प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी।वहीं 7 अक्टूबर 2026 को जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर उपायुक्त को मांग-पत्र सौंपा जाएगा।अभियान में रणधीर प्रसाद चौरसिया दुर्योधन साह,महिला जिला अध्यक्ष सोनिया परवीन जिला अध्यक्ष मनोज सोरेन,शहनवाज हुसैन,अनिल राजा,धर्मेंद्र यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थीम रेबीज मुक्त भारत के लिए एकजुट होकर हम और भी मजबूत बनेंगे : डॉ रंजन

साहिबगंज : विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला पशुपालन कार्यालय साहिबगंज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की थीम रेबीज मुक्त भारत के लिए एकजुट होकर हम और भी मजबूत बनेंगे रखी गई।जिसके माध्यम से लोगों को इस घातक बीमारी के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।कार्यक्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार झा एवं पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.सेबा पालित ने बताया कि रेबीज एक जानलेवा बीमारी है।लेकिन समय रहते जागरूकता, टीकाकरण और सतर्कता से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है।उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में जागरूकता बढ़ाना और सामूहिक प्रयासों के जरिए रेबीज उन्मूलन की दिशा में ठोस कदम उठाना है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पशुपालक एवं आम लोग शामिल हुए।इस दौरान मुफ्त दवा एवं उपचार की व्यवस्था की गई,साथ ही लोगों को रेबीज से बचाव, काटने की स्थिति में तुरंत किए जाने वाले उपाय,और पशुओं की देखभाल से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।कार्यक्रम में पालतू कुत्तों को लेकर पहुंचे लोगों ने अपने पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण कराया तथा आवश्यक दवाइयाँ भी प्राप्त कीं।पशु चिकित्सकों ने विशेष रूप से सलाह दी कि सभी पालतू कुत्तों को नियमित रूप से रेबीज का टीका लगवाना चाहिए,ताकि संक्रमण के खतरे को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।उन्होंने कहा कि यदि समाज के सभी लोग मिलकर जागरूकता और टीकाकरण अभियान को आगे बढ़ाएंगे,तो रेबीज मुक्त भारत का लक्ष्य जल्द ही प्राप्त किया जा सकेगा।इस मौके पर सतर्क रहें। सुरक्षित रहें का संदेश देते हुए आमजनों से अपील की गई कि वे रेबीज की रोकथाम में सक्रिय भागीदारी निभाएं और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।मौके पर जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ रंजन कुमार झा, अनुमंडल पशुपालन पदाधिकारी डॉ इमरान अंसारी,पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सेबा पालित सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मादक पदार्थों की तस्करी व अवैध खरीद-बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर मिला निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता मेंएन आईसी सभा कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नारकोटिक्स समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध खरीद-बिक्री, भंडारण एवं सेवन पर प्रभावी नियंत्रण तथा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध खरीद-बिक्री पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए पुलिस पदाधिकारियों को सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने संदिग्ध गतिविधियों वाले क्षेत्रों, मार्गों व स्थानों पर विशेष निगरानी रखते हुए नियमित जांच सुनिश्चित करने तथा मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने औषधि निरीक्षक एवं अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज तथा राजमहल को जिले में संचालित संदिग्ध दवा दुकानों का औचक निरीक्षण एवं जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दवाओं की बिक्री में निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित कराया

जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। बैठक में सीओटीपीए एक्ट सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी अनुपालन पर भी विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने अधिनियम के तहत प्रतिबंधित गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही सार्वजनिक स्थानों एवं शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री तथा सेवन पर प्रभावी निगरानी रखने को कहा गया।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि विद्यालय महाविद्यालय परिसर की 200 मीटर की परिधि में स्थित दुकानदारों से शपथ-पत्र प्राप्त किया जाए। शपथ-पत्र में संबंधित दुकानदार यह स्पष्ट रूप से घोषित करेंगे कि उनके द्वारा मादक पदार्थों अथवा प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की अवैध खरीद-बिक्री नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को इस प्रक्रिया की नियमित निगरानी एवं अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि जिले के सभी विद्यालयों में मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं सेवन की रोकथाम को लेकर सघन जागरूकता अभियान चलाया जाए। अभियान के माध्यम से छात्र-छात्राओं को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशामुक्त स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। विद्यालय स्तर पर नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम, शपथ एवं संवादात्मक गतिविधियां आयोजित कर विद्यार्थियों में नशे के विरुद्ध जागरूकता एवं सकारात्मक सोच विकसित करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई केवल जांच एवं प्रवर्तन तक सीमित न रखते हुए जन-जागरूकता को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए। विशेषकर विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने, नशामुक्ति एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने पर बल दिया गया।उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए-सह-जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास, अनुमंडल पदाधिकारी सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, ड्रग इंस्पेक्टर चंदन कश्यप, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समेत अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

एसआईआर को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के सचिव ने की समीक्षा

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण के सफल क्रियान्वयन को लेकर आज भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के सचिव श्री संजीव कुमार प्रसाद का साहिबगंज जिले के बरहेट प्रखंड में आगमन हुआ। जबकि वन प्रमंडल के अतिथि भवन में एस आईआर 2026 से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर भारत निर्वाचन आयोग के सचिव का स्वागत किया।

समीक्षा के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के सचिव श्री संजीव कुमार प्रसाद ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि बरहेट अ०ज०जा० विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आदिवासी एवं पहाड़िया समुदाय के पात्र मतदाताओं का नाम किसी भी परिस्थिति में मतदाता सूची से विलोपित नहीं हो। साथ ही, मतदाता सूची में किसी भी अपात्र अथवा विदेशी व्यक्ति का नाम शामिल न हो। उन्होंने एस आईआर 2026 के तहत प्राप्त दावा एवं आपत्ति से संबंधित दस्तावेजों तथा अभिलेखों का जायजा लिया । इस दौरान दस्तावेजों एवं अभिलेखों का सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से संधारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, दावा एवं आपत्ति से संबंधित मामलों की सुनवाई की प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित सुनवाई कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया।भारत निर्वाचन आयोग के सचिव ने बरहेट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पात्र मतदाताओं से संबंधित सुनवाई की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण करें तथा प्रत्येक आवेदन का नियमानुसार निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करें। एस आईआर के तहत दावा एवं आपत्ति दाखिल करने की अवधि 05 अगस्त 2026 से 30 सितंबर 2026 तक निर्धारित है। इस अवधि में प्राप्त सभी दावा एवं आपत्ति आवेदनों का ससमय निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। मौके पर निवार्ची पदाधिकारी, बरहेट - सह- अपर समाहर्ता विजय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू, सहित सभी संबंधित सहायक निवार्ची पदाधिकारी, बीएलओ वं निर्वाचन कर्मी उपस्थित थे।

विद्यालयों में विद्यार्थियों को मिल रही आधार सेवाओं की सुविधा

जिले के विभिन्न प्रखंडों में 26 सितंबर से 15 अक्टूबर तक विशेष आधार शिविर का आयोजन

साहिबगंज : जिले के छात्र-छात्राओं को आधार से संबंधित सेवाओं का लाभ विद्यालय स्तर पर ही उपलब्ध कराने तथा आधार संबंधी त्रुटियों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिले के विभिन्न प्रखंडों के विद्यालयों में 26 सितंबर 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक विशेष आधार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जबकि जिले के विभिन्न विद्यालयों में आधार शिविर आयोजित कर छात्र-छात्राओं को आधार से जुड़ी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। आज मध्य विद्यालय सकरीगली, तालझारी; उत्क्रमित मध्य विद्यालय मेहंदी, तालझारी; उत्क्रमित मध्य विद्यालय भानु टोला, तालझारी; उच्च विद्यालय फुदकीपुर, उधवा; उत्क्रमित उच्च विद्यालय मोती पहाड़ी, बोरियो; उत्क्रमित उच्च विद्यालय बांझी, बोरियो; उत्क्रमित उच्च विद्यालय मसानिया, मंडरो तथा प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, राजमहल में शिविर का आयोजन किया गया।शिविर के दौरान विद्यार्थियों के आधार कार्ड में दर्ज नाम, जन्मतिथि, पता एवं अन्य आवश्यक विवरणों से संबंधित त्रुटियों के सुधार के साथ-साथ पात्र छात्र-छात्राओं के नए आधार पंजीकरण की प्रक्रिया भी की गई। विद्यालय परिसर में ही आधार से संबंधित सेवाएं उपलब्ध होने से विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को काफी सुविधा मिल रही है तथा उन्हें आधार केंद्रों तक जाने की आवश्यकता कम हो रही है। जिसमें जिला परियोजना पदाधिकारी, यूआईडी श्री संदीप कुमार ने बताया कि जिले के विभिन्न विद्यालयों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आधार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों के आधार संबंधी मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना तथा उन्हें आवश्यक आधार सेवाएं सहज एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराना है।उन्होंने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की कि निर्धारित तिथि के अनुसार संबंधित विद्यालयों में आयोजित होने वाले आधार शिविर का लाभ उठाएं और आधार से संबंधित किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा लंबित प्रक्रिया का आवश्यकतानुसार निराकरण कराएं।

हाई मास्ट लाइट लगने पर स्थानीय लोगों ने विधायक का जताया आभार

झुमरी तिलैया : सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति मडुवाटांड परिसर में हाई मास्ट लाइट लगाए जाने पर दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों एवं स्थानीय निवासियों में हर्ष का माहौल है। हाई मास्ट लाइट की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कमेटी एवं स्थानीय लोगों ने कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि लंबे समय से परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। हाई मास्ट लाइट लगने से अब धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही, रात के समय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी बेहतर होगी। दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने कहा कि हाई मास्ट लाइट की सुविधा से आगामी पूजा आयोजन में भी श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी। लोगों ने विधायक डॉ. नीरा यादव के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जनसुविधा से जुड़ी इस महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा कराकर उन्होंने स्थानीय लोगों की समस्या का समाधान किया है।

कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व सैनिक व पूर्व सीपीआईएम नेता

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में कांग्रेस पार्टी ने संगठन विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पूर्व सैनिक शेख मोअज्जम अली एवं पूर्व सीपीआईएम नेता शेख अब्दुल कय्यूम को पार्टी की सदस्यता दिलाई।जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष बरकत खान एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अनुकूल मिश्रा ने दोनों नेताओं का माला पहनाकर स्वागत किया।इस अवसर पर पूर्व सैनिक शेख

मोअज्जम अली ने कहा कि राहुल गांधी के विचारों,जनहित के मुद्दों को लेकर उनकी सक्रियता और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है। वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा के अनुरूप समाज एवं संगठन के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे।कांग्रेस नेताओं ने दोनों नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि उनके जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी और पार्टी का जनाधार बढ़ेगा।मौके पर मो कलीमुद्दीन,बास्की यादव,मो सद्दाम हुसैन,मो औरंगजेब सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पारदर्शिता मतदाता अधिकार और संस्थागत जवाबदेही की मांग को लेकर नारे लगे

संवाददाता

साहिबगंज : निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची में बदलाव और निर्वाचन आयोग की आईटी प्रणाली व डेटा प्रबंधन से जुड़े सवालों को लेकर साहिबगंज जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा विरोध मार्च निकाला गया।विरोध मार्च में शामिल होने के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं क्षेत्रों से कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी चौक पहुंचे।जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विरोध मार्च की शुरूआत की गई।मार्च का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने किया।गांधी चौक से शुरू हुआ मार्च पटेल चौक,ग्रीन होटल, कॉलेज रोड,पूर्वी रेलवे फाटक व सुभाष चौक होते हुए समाहरणालय पहुंचा।मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता मतदाता अधिकार और संस्थागत जवाबदेही की मांग को लेकर नारे लगाए।समाहरणालय पहुंचने के बाद कांग्रेसजनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया।इसके उपरांत जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त महोदय के माध्यम से अपना ज्ञापन सौंपा।जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि देश के लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता के वोट का महत्व है।मतदाता सूची में होने वाला कोई भी बदलाव निर्धारित प्रक्रिया और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जो प्रश्न उठ रहे हैं,उनका स्पष्ट और संतोषजनक जवाब मिलना

आवश्यक है।कांग्रेस की मांग है कि एसआईआर , मतदाता सूची में हुए बदलाव तथा निर्वाचन आयोग की आईटी प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन से जुड़े विषयों की स्वतंत्र और पारदर्शी समीक्षा हो, ताकि आम जनता का चुनावी प्रक्रिया में विश्वास और मजबूत हो।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी आगे भी इन मुद्दों को लोकतांत्रिक व संवैधानिक तरीके से उठाती रहेगी और मतदाता के अधिकार तथा चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करती रहेगी।विरोध मार्च में अनुकूल चन्द्र मिश्रा, बासुकीनाथ यादव,मोहम्मद कलीमुद्दीन,अशोक कुमार दास,नवीद अंजुम,एस्थर मरांडी,सरफराज आलम,नित्यानंद गुप्ता,हीरालाल साहा,रिजवान अंसारी,नूरजहाँ बीबी, ऐनुल हक अंसारी,कमरूल हक,रागीब आलम अफजल अंसारी, सतीश पासवान,राजेश कुमार सिंह,मो सलाउद्दीन, सद्दाम हुसैन, मो.मेराजुद्दीन, अरविंद कुमार यादव, प्रखण्ड अध्यक्ष मो.बदरुद्दीन, देवेन्द्र ठाकुर, रणजीत टुडू, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष तनवीर राजा,एनएसयूआई जिला अध्यक्ष थॉमस रॉबर्ट, जाहिद,अलताफ हुसैन,प्रमित तिवारी,नेहाल अख्तर, औरंगजेब, शरीक रब्बानी,मो. सफातउल्लाह, अब्दुल करीम, अजीज अंसारी,सबदुल अंसारी,अब्दुल कादिर,फि रोज आलम,जब्बार शेख, तपेश्वर साहा मुखलेसुर, अब्दुल खालेक सहित जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष,विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी,वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

तेलुगु इंडस्ट्री में काम कर भावुक हुए राघव जुयाल

डांसर से एक्टर बने राघव जुयाल ने करियर में कई तरह के पड़ाव देखे हैं। डांस रियलिटी शो से पहचान बनाने के बाद उन्होंने टीवी होस्ट के तौर पर अलग जगह बनाई और फिर फिल्मों की दुनिया में कदम रखा। अब राघव अपने करियर का एक और नया चैप्टर शुरू करने जा रहे हैं। वह पहली बार तेलुगु सिनेमा में नजर आने वाले हैं और इस सफर ने उन्हें काफी कुछ नया सीखने का मौका दिया है। उन्हें तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री का काम करने का तरीका काफी पसंद आया। राघव जल्द ही नानी स्टारर फिल्म 'द पैराडाइज' में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन श्रीकांत ओडेला कर रहे हैं और राघव इसमें विक्रम मलिक का किरदार निभा रहे हैं। तेलुगु इंडस्ट्री में पहली बार काम करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए राघव ने कहा, ''मैंने वहां सिनेमा को लेकर एक अलग ही जुनून देखा। वहां लोग सिर्फ एक प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि इस सिनेमा को सेलिब्रेट करते हैं।'' राघव ने कहा, ''इस फिल्म के दौरान मैंने एक ऐसी चीज महसूस की, जिसे मैं अपने काम में भी शामिल करना चाहता हूं।

अंगद बेदी ने शेयर की सफारी ट्रिप की यादें

नेहा के साथ जिम सेल्फी ने खींचा ध्यान

अभिनेता अंगद बेदी और उनकी पत्नी व अभिनेत्री नेहा धूपिया साथ में अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। बुधवार को अभिनेता अंगद बेदी ने पत्नी के साथ बिताए खास पलों की झलक शेयर की। अभिनेता ने कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अपनी सफारी ट्रिप और बर्थडे सेलिब्रेशन की यादें फैंस के साथ शेयर कीं। पहली तस्वीर में अंगद बेदी पगड़ी पहने मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। अगली तस्वीर में वह अपनी पत्नी नेहा धूपिया के साथ जिम में सेल्फी लेते दिखे। इसके अलावा तस्वीरों में उनकी सफारी, कुछ अकेले पलों और परिवार के साथ बिताए पलों की झलक भी दिखी। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, 'यादें बनीं, तस्वीरें ली गईं... सफारी और बर्थडे के बीच दिल भर गया।' इस पोस्ट पर नेहा ने कमेंट में हार्ट इमोजी शेयर किया। अंगद अक्सर सोशल मीडिया पर अपने परिवार के साथ बिताए खास पलों, छुट्टियों और सेलिब्रेशन की झलक शेयर करते रहते हैं। अंगद बेदी और नेहा धूपिया की पहली मुलाकात तब हुई थी जब नेहा 20 साल की थीं। अंगद उन्हें लगभग 8 साल तक पसंद करते रहे और शादी के लिए प्रयास करते रहे। बाद में नेहा के गर्भवती होने के बाद दोनों ने अचानक शादी का फैसला किया और गुरुद्वारे में आनंद कारज संपन्न हुआ। एक इंटरव्यू में अंगद ने बताया था कि जब वह नेहा के माता-पिता से उनका हाथ मांगने गए थे, तो उनके ससुर ने शुरू में मना कर दिया था। इस जोड़ी के दो बच्चे हैं। उनकी बेटी मेहर का जन्म शादी के कुछ महीनों बाद हुआ था और बाद में उनके घर एक बेटे का भी जन्म हुआ। अंगद बेदी एक अभिनेता और पूर्व मॉडल हैं। वह भारत के दिवंगत महान क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी के बेटे हैं। अंगद ने 'पिंक', 'सूरमा' और 'डियर जिंदगी' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है।

पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आएंगे पंकज त्रिपाठी, बोले-

थोड़ी घबराहट और बहुत खुशी है

अभिनेता पंकज त्रिपाठी आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। अभिनेता ने इसे एक्टिंग से 'बिल्कुल अलग' अनुभव बताया। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में दूसरे के किरदार को निभाया और आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में होस्ट करना रोमांचक और सम्मान देने वाला है। उन्होंने कहा, 'एक एक्टर के लिए कुछ पल ऐसे होते हैं जो थोड़ी ज्यादा घबराहट और बहुत सारी खुशी लेकर आते हैं और पहली बार आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स को होस्ट करना उन्हीं में से एक है। मैंने अपने सफर का ज्यादातर समय कैमरे के सामने किरदारों के जरिए कहानियां सुनाते हुए बिताया है, इसलिए आईआईएफए के मंच पर बिल्कुल अलग भूमिका में आना मेरे लिए रोमांचक और सम्मान की बात दोनों है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा पहली बार होगा जब मैं किसी अवॉर्ड शो को होस्ट करूंगा, जो इस पल को मेरे लिए और भी खास बनाता है। डिजिटल दुनिया ने कहानियां बनाने, खोजे जाने और पसंद किए जाने के तरीके को बदल दिया है और आईएफएफए का इस नई पीढ़ी को पहचान देना बहुत मायने रखता है। इतने सारे प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रिएटर्स के साथ इस जश्न का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। अभिनेता पंकज त्रिपाठी का मानना है कि आईआईएफए ने हमेशा ही सिनेमा को दुनिया के सामने दिखाया है। उन्होंने कहा, 'आईआईएफए हमेशा से भारतीय सिनेमा को दुनिया भर के दर्शकों तक लेकर गया है और मैं भी जोश, गर्मजोशी और थोड़े से ह्यूमर के साथ आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 के मंच पर आने के लिए उत्सुक हूं। मैं स्टेज के दूसरी तरफ से आईआईएफए के जादू को महसूस करने का इंतजार नहीं कर सकता और उम्मीद करता हूं कि मैं इसके साथ न्याय कर पाऊंगा।'

वीजा कैंसिल होने से टली रवीना-राशा की कैलाश यात्रा, एक्ट्रेस बोलीं-

महादेव ने बचा लिया

अभिनेत्री रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थड़ानी महादेव की अनन्य उपासक हैं और अक्सर ज्योतिर्लिंग या महाकाल दर्शन के लिए जाती रहती हैं। अभिनेत्री रवीना टंडन ने हाल ही में बताया कि वह और उनकी बेटी राशा थडानी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाली थीं लेकिन यात्रा से कुछ समय पहले ही उन्हें अपना प्लान कैंसिल करना पड़ा था। अभिनेत्री ने यह किस्सा 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के सेमी-फिनाले एपिसोड के दौरान बताया। शो के दौरान अभिनेत्री कहती हैं कि वह अब ईश्वर द्वारा निर्धारित समय पर विश्वास करने लगती हैं, भले ही चीजें प्लान के मुताबिक हो या न हों। रवीना टंडन ने याद करते हुए बताया कि 2022 में अपने पिता के निधन के बाद उन्होंने 12 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने और बेटी राशा थडानी ने साथ में कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने का प्लान बनाया था लेकिन उनका प्लान उस वक्त बिगड़ गया, जब यात्रा से ठीक पहले उनका वीजा कैंसल हो गया था। अभिनेत्री ने बताया कि वीजा कैंसल होने पर उन्हें काफी दुख हुआ था लेकिन उन्हें समझ में आया कि अचानक कैंसिल होने के पीछे कोई वजह जरूर होगी। अभिनेत्री रवीना टंडन ने कहा, 'मैंने इतना बोला कि महादेव का कुछ तो कारण होगा, हमें नहीं जाना है इसके पीछे कोई वजह तो होगी। जब वो बुलाएंगे तब अपने आप हम चले जाएंगे। रवीना टंडन ने बताया कि प्लान कैंसिल होने के बाद बेटी राशा ने उन्हें नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में आई भयानक आपदा के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'हम बहुत निराश थे कि यात्रा कैंसिल हो गई और दो दिन बाद हमें पता चला कि ग्लेशियर टूट गया। यह मानव निर्मित आपदा थी।

कश्मीरा ने फैंस को दी नसीहत

'घर तोड़ने वालों को महिमामंडित करना बंद करो'

अभिनेत्री कश्मीरा शाह अपनी बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 'लाफ्टर शेफ्स' के सभी सीजन में अपनी मजेदार पर्सनैलिटी से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से गोविंदा के हालिया राजा लालबागचा दर्शन में को-स्टार के साथ जाने पर नाराजगी जाहिर की। कश्मीरा शाह, जो गोविंदा के भांजे कृष्णा अभिषेक की पत्नी हैं, उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अप्रत्यक्ष तरीके से पति-कमीडियन कृष्णा अभिषेक की मामी की तरफ से स्टैंड लेते हुए फैंस से अपील की कि ऐसे लोगों को पूजना बंद करें, जो अपनी पत्नी को छोड़कर कम उम्र की लड़कियों के साथ घूमना पसंद करते हैं। अभिनेता ने लिखा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा कि लोग एक 'मिस्ट्री वुमन' को इतना ग्लैमराइज कर रहे हैं और उसके बारे में पोस्ट कर रहे हैं। घर तोड़ने वालों को महिमामंडित करना बंद करो और उन आदमियों को पूजना बंद करो जो अपनी वफादार पत्नियों को छोड़कर कम उम्र की महत्वाकांक्षी लड़कियों के पीछे भागते हैं। बहुत ही घटिया है। हमारे लोगों से ज्यादा समझदारी और नैतिकता की उम्मीद है। प्लीज ये पागलपन बंद करो। ' दरअसल, कश्मीरा शाह की यह पोस्ट ऐसे समय में आई है, जब गोविंदा का नाम उनकी सह-कलाकार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ जोड़ा जा रहा था और दोनों को साथ देखे जाने के बाद अफवाहों का बाजार गर्म है। इन्हीं अफवाहों के बीच, अभिनेता गोविंदा मंगलवार को मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा के दर्शन करने के लिए अपनी आने वाली फिल्म 'रूपा' की को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार (रानी स्वर्णकार) के साथ गए थे। यह दर्शन उन्होंने 22 सितंबर को किया था, जो उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के अकेले दर्शन करने के कुछ ही घंटों बाद हुआ। दोनों की साथ में तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में हैं। हालांकि, अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने पोस्ट में किसी का भी नाम नहीं लिया है, लेकिन उनकी यह पोस्ट इसी ओर इशारा करती है।

'आज की पीढ़ी को वैसी सुविधाएं नहीं मिल रही, जिसके वे हकदार हैं'

एक्ट्रेस संजना सांघी ने एक बार फिर भारत के युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक मंच पर उठाया है। उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक आधिकारिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने युवा सशक्तीकरण, शिक्षा और जमीनी स्तर पर विकास को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आज की पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए उतने संसाधन और मौके मिल रहे हैं, जितने उन्हें मिलने चाहिए? संजना ने कहा, ''मैं पिछले करीब 12 साल से युवाओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम करती आ रही हूं। जब मैं टीनएजर थी, तब मुझे खुद महसूस हुआ था कि शिक्षा किस तरह मेरी जिंदगी बदल सकती है। उस समय मुझे यह बताने के लिए किसी का इंतजार नहीं करना पड़ा कि मुझे नेतृत्व करना चाहिए या शिक्षा ही बदलाव का रास्ता है। मैंने खुद इसे महसूस किया और उसी सोच के साथ आगे बढ़ी।'' संजना ने कहा, ''भारत के पास दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी है। ऐसे में यह सवाल बेहद जरूरी हो जाता है कि हम आने वाली पीढ़ियों को किस तरह तैयार कर रहे हैं। मैं लंबे समय से युवाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास से जुड़ी रही हूं और इसी वजह से मेरे मन में यह सवाल उठता है कि क्या युवाओं को वह तैयारी और सुविधाएं मिल रही हैं, जिसके वे हकदार हैं।'' अपने भाषण में संजना ने सैन्य खर्च का भी जिक्र किया।

ऑस्ट्रेलिया को झटका, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे से बाहर हुए एलिस और जोएल

एजेंसी

पोटचेफ्स्ट्रूम : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे से पहले ऑस्ट्रेलिया को दोहरा चोट का झटका लगा है। तेज गेंदबाज नाथन एलिस साइड स्ट्रेन के कारण मुकाबले से बाहर हो गए हैं, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर जोएल डेविस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण स्वदेश लौटेंगे। एलिस को जोहान्सबर्ग में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान चोट लगी। उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी करने के बाद बाएं हिस्से में खिंचाव महसूस किया और अपना स्पेल पूरा नहीं कर सके। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने 365 रन बनाए और तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। एलिस इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख गेंदबाजों में रहे हैं। वह आगे की जांच और रिहैबिलिटेशन के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटेंगे। टीम को उम्मीद है कि वह 13 नवंबर से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू वनडे सीरीज तक फिट हो जाएंगे। एलिस इस दौरे पर साइड स्ट्रेन का सामना करने वाले ऑस्ट्रेलिया के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान बिली स्टैनलेक चोटिल होकर बाहर हो गए थे। तीसरे वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया के पास अब केवल चार फिट विशेषज्ञ तेज गेंदबाज उपलब्ध हैं। पैट कमिंस शुरूआती दो मैचों से बाहर रहने के बाद वापसी कर सकते हैं, जबकि दूसरे वनडे में आराम दिए गए मिचेल स्टार्क के भी खेलने की संभावना है। लगातार दोनों मुकाबले खेलने वाले जोश हेजलवुड को आराम दिया जा सकता है और जेवियर बार्टलेट के टीम में बने रहने की उम्मीद है। दूसरी ओर, जोएल डेविस को दूसरे वनडे के दौरान स्थानापन्न फील्डर के तौर पर मैदान पर रहते हुए हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया। वह इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर टीम के साथ थे, लेकिन उन्हें किसी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। अब वह रिहैबिलिटेशन के लिए स्वदेश लौटेंगे और इसके बाद न्यू साउथ वेल्स के साथ घरेलू क्रिकेट में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने एलिस और डेविस के स्थान पर तीसरे वनडे के लिए अभी किसी खिलाड़ी को नहीं चुना है। इस बीच, विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ अक्टूबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में उपलब्धता पर भी फैसला नहीं हुआ है। इंगलिस को डरबन में खेले गए पहले वनडे के दौरान उंगली में फ्रैक्चर हुआ था। ऑस्ट्रेलिया ए टीम में भी बदलाव

भारत दौरे पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया ए टीम में भी बदलाव किए गए हैं। ब्रेंडन डोगेट, फर्गस ओ'नील और कैंपबेल कैलावे शेफील्ड शील्ड सीजन की शुरूआत के लिए स्वदेश लौटेंगे। उनकी जगह सैम हार्पर, झाय रिचर्डसन और लियाम हैचर पुडुचेरी में मंगलवार से शुरू होने वाले भारत ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में खेलेंगे। वहीं, अगले मंगलवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम में राइली मेरेडिथ और विल सदरलैंड को शामिल किया गया है। दोनों ने जैक एडवर्ड्स और आरोन हार्डी की जगह ली है। एडवर्ड्स दक्षिण अफ्रीका में कैमरन ग्रीन के कवर के तौर पर मौजूद हैं, जबकि हार्डी मामूली घुटने की चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं।

मोहनलालपुर में तारपीन के तेल के गोदाम में लगी आग, दमकल कर्मी कार्रवाई में जुटे

एजेंसी

गोरखपुर : तिवारीपुर थाना क्षेत्र के मोहनलालपुर में सोमवार शाम तारपीन के तेल के गोदाम में अचानक आग लग गई। गोदाम से उठती आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार काफी दूर तक दिखाई दे रहा था। आग की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। तारपीन के तेल जैसे ज्वलनशील पदार्थ के गोदाम में आग लगने के कारण दमकल कर्मियों के सामने चुनौती बढ़ गई। आग तेजी से फैलने की आशंका को देखते हुए आसपास के इलाके में भी सतर्कता बढ़ा दी गई। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचकर अलग-अलग दिशा से आग बुझाने में जुटीं। फायरकर्मियों ने पानी और अन्य संसाधनों के माध्यम से आग को नियंत्रित करने का प्रयास किया। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गोदाम से उठती लपटें दूर से ही स्पष्ट दिखाई दे रही थीं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए लोगों को घटनास्थल से दूर रखने का प्रयास किया। ज्वलनशील पदार्थ के कारण किसी तरह की अतिरिक्त दुर्घटना न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से विशेष सतर्कता बरती गई। घटना की सूचना के बाद जिला प्रशासन और पुलिस के कई अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने दमकल विभाग की टीमों से आग की स्थिति और अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली। आग को आसपास के हिस्सों में फैलने से रोकने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए गए। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग की टीमों की ओर से घटना के कारणों की जांच की जा रही है। आग पूरी तरह बुझने के बाद गोदाम में हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा। गोदाम में कितनी मात्रा में तारपीन का तेल और अन्य सामान रखा था, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। राहत की बात यह है कि अभी तक घटना में किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि आग से गोदाम और उसमें रखे सामान को कितना नुकसान हुआ है, इसका स्पष्ट आकलन फिलहाल नहीं हो सका है। दमकल और प्रशासन की टीमें आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में भी लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अमित शाह आज दिल्ली को देंगे सौगात, करेंगे बारापुला फेज-3 फ्लाईओवर का श्रीगणेश

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह आज बारापुला फेज-3 फ्लाईओवर का श्रीगणेश (उद्घाटन) करेंगे। इसी के साथ पूर्वी दिल्ली के लोगों का दक्षिण और मध्य दिल्ली तक का सफर आसान हो जाएगा। मयूर विहार फेज-1 से सराय काले खां तक करीब 3.5 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के चालू होने से वाहन चालकों को आईटीओ, रिंग रोड और डीएनडी के अलावा एक नया विकल्प मिलेगा। इस 3.5 किलोमीटर के हिस्से में बीच में कोई अवरोधक नहीं होगा, यानी यह पूरा मार्ग सिग्नल फ्री होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और लोक निर्माणमंत्री प्रवेश वर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहेंगे। इससे रोजाना नौकरी और दूसरे कामों के लिए दक्षिण दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही सराय काले खां की ओर जाने के लिए पुराने रास्तों पर निर्भरता कम होगी। लक्ष्मी नगर, शकरपुर और पटपड़गंज के लोगों को भी दक्षिण दिल्ली जाने के लिए नया मार्ग मिलेगा। इन क्षेत्रों से आने वाले वाहन मयूर विहार के रास्ते कॉरिडोर तक पहुंच सकेंगे। इससे विकास मार्ग और आईटीओ की तरफ जाने वाले यातायात का दबाव कम होने की उम्मीद है। आनंद विहार, कड़कड़डूमा और विवेक विहार के साथ वसुंधरा एन्क्लेव और दल्लूपुरा के वाहन चालकों को भी दक्षिण दिल्ली जाने के लिए वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। दिल्ली यातायात पुलिस ने बारापुला फेज-3 फ्लाईओवर के उद्घाटन समारोह के मद्देनजर आज सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच यातायात में परिवर्तन किया है। समारोह में सैकड़ों लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। पुलिस के मुताबिक, सराय काले खां, महारानी बाग और आश्रम चौक के आसपास यातायात प्रभावित रहेगा। पुलिस ने दिल्लीवासियों से इस दौरान इन मार्गों पर जाने से बचने की अपील की है।

ईरान ने कतर के मध्यस्थों के जरिए अमेरिका से अप्रत्यक्ष बातचीत की

एजेंसी

न्यूयॉर्क : ईरान ने कतर के मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिका से अप्रत्यक्ष बातचीत की है। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अरागची ने सोमवार (स्थानीय समय) पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने यह वार्ता न्यूयॉर्क में की गई। उन्हें वाशिंगटन से आधिकारिक जवाब की प्रतीक्षा है। उत्तर कल तक मिलने की उम्मीद है है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अरागची ने कहा कि पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान उनकी यात्रा का मुख्य मकसद क्षेत्रीय तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा की गंभीर स्थिति पर ईरान का पक्ष रखना था। उन्होंने दोहराया कि ईरान ने संकट को सुलझाने और महत्वपूर्ण जल मार्ग को फिर से खोलने के लिए एक प्रभावी सशर्त योजना सामने रखी है। उन्होंने कहा, ₹कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों के जरिए ऐसी बातचीत और संदेशों का आदान-प्रदान हमेशा से होता रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की कि अमेरिकी अधिकारियों ने सोमवार को ईरान के मामले में मध्यस्थों के साथ बातचीत की। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी नहीं दी। सनद रहे पिछले हफ्ते, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में अरागची ने सात दिन का एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसके तहत अगर वाशिंगटन कुछ शर्तें पूरी करता है तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल देगा। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने रविवार को कहा कि वाशिंगटन ने प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। अरागची ने प्रस्ताव के बारे में कहा कि वाल्ट्ज ने योजना देखी ही नहीं । उन्होंने कहा कि तेहरान कूटनीति के लिए तैयार है, साथ ही नए सिरे से संघर्ष की संभावना के लिए भी तैयारी कर रहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने पीसीएस अधिकारी हरीश चंद्र को किया सेवा से बर्खास्त

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी हरीश चंद्र को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई नोएडा विकास प्राधिकरण में उनके कार्यकाल के दौरान हुए 3,800 करोड़ से 4,000 करोड़ रुपये के बड़े लीजबैक घोटाले (भूखंड घोटाले) में संलिप्तता के चलते उठाया गया है। उत्तर प्रदेश के सबसे सीनियर 1997 बैच के पीसीएस अधिकारी हरीश चंद्र वर्तमान में कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में खाद्य एवं रसद विभाग के स्थानिक प्रतिनिधि के पद पर तैनात है। प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक आईएएस एम. देवराज ने उनकी बर्खास्तगी के आदेश जारी कर दिया है नोएडा प्राधिकरण में वर्ष 2011 में सचिव पद पर तैनाती के दौरान, उन्होंने ग्राम शहदरा के सेक्टर 140- (ए), 141, 142 और 143 के अंतर्गत आने वाली लगभग 3,81,527 वर्ग मीटर अर्जित भूमि को नियमों के विपरीत जाकर बाहरी लोगों और निजी कंपनियों के नाम लीजबैक कर दिया था।
नियम में लीजबैक की यह सुविधा सिर्फ स्थानीय गांव के पात्र किसानों के लिए आरक्षित थी (जिसमें प्रति परिवार अधिकतम 450 वर्ग मीटर का प्रावधान था)। विभागीय जांच में सामने आया कि नियमों को ताक पर रखकर बाहरी निजी कंपनियों को 15,000 वर्ग मीटर से भी ज्यादा के भूखंड आवंटित किए गए, जिसकी बाजार कीमत लगभग 3,800 करोड़ आंकी गई थी।

नेपाल की बारिश उत्तर बिहार के लिए बनी आफत, पांच जिलों में फैला गंडक का पानी

एजेंसी

पटना : नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्र के गंडक नदी में बीते दिनों लागातर मूसलादार बारिश का कहर उत्तर बिहार के पश्चिम-पर्वी, गोपालगंज, वैशाली, मुजफ्फरपुर और सारण जिलों में दिखने लगा है। जल संसाधन विभाग द्वारा जारी जानकारी के मुताबिक गंडक नदी बेसिन के नेपाल जल-ग्रहण क्षेत्रों में अल्प-अवधि में हुए अत्यधिक वषार्पात के फलस्वरुप बीते दिन 28 सितम्बर को पूर्वाह्न 6.00 बजे वाल्मिकीनगर स्थित गंडक बराज से 5,43,500 क्युसेक जलश्राव प्रवाहित हुआ जो अभी अपने निम्नप्रवाह क्षेत्रों पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली से होकर गुजर रहा है। इस दौरान वाल्मिकीनगर स्थित गंडक बराज पर नदी का जलश्राव 13 घंटे तक 5 लाख क्युसेक से अधिक तथा 32 घंटे तक 4 लाख क्युसेक से अधिक बना रहा। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक 26 एवं 27, सितम्बर के बीच बिहार स्थित गंडक नदी के सीमावर्ती जिलों यथा पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं गोपालगंज में भी काफी अधिक वषार्पात हुई है, जिसके कारण गंडक बराज के निम्नप्रवाह में नदी का जलस्तर पूर्व से ही बढ़ा हुआ है। वर्ष 2024 में वाल्मिकीनगर स्थित गंडक बराज से प्रवाहित अधिकतम जलश्राव 5,62,500 क्यूसेक की तुलना में इस बार का बराज से प्रवाहित जलश्राव कुछ कम रहने के बावजूद नदी द्वारा बगहा गेजस्थल पर 91.25 मीटर का अब तक का नया उच्चतम जलस्तर दर्ज किया गया है, जो पूर्व के उच्चतम जलस्तर 90.90 मीटर (वर्ष 2024) से 0.35 मीटर अधिक है। गंडक नदी से प्रवाहित अत्यधिक जलश्राव के फलस्वरुप नदी पर निर्मित तटबंधों पर भारी दबाव की स्थिति बनी हुई है तथा कई स्थलों पर सीपेज, पाईपिंग एवं ओवर-टापिंग की समस्या भी उत्पन्न होती रही। अभी तक 169 बिन्दुओं पर हुए सीपेज/पाईपिंग को तत्काल कार्य कराते हुए सुरक्षित किया गया है। गंडक नदी के बढ़े हुए जलस्तर के कारण 28-29, सितम्बर के मध्यरात्रि में, पश्चिम चम्पारण जिला अंतर्गत, गंडक नदी के बायें तट पर निर्मित चम्पारण तटबंध 02 स्थलों पर (1. ग्राम-खैरतवा, प्रखंड-बगहा-1 एवं 2. ग्राम-फुलियाखाड़, प्रखंड-बैरिया) क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश प्रभाग में कुशीनगर जनपद अंतर्गत गंडक नदी के दायें तट पर निर्मित तटबंध एक स्थल पर क्षतिग्रस्त हुआ है। जल संसाधन विभाग एवं जिला प्रशासन पश्चिम चंपारण की टीम द्वारा आवश्यक कार्यवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री साय आज यूथ कॉन्क्लेव में शामिल होंगे, युवा विद्यार्थियों और स्टार्टअप्स उद्यमियों से करेंगे संवाद

एजेंसी

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज मंगलवार को प्रातः 11 बजे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय ह्लह्लयूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव-2026ह्ल में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री कॉन्क्लेव में शामिल युवा नवोन्मेषी विद्यार्थियों एवं स्टार्टअप्स उद्यमियों से संवाद करेंगे। यूथ कॉन्क्लेव में युवाओं के नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्टअप्स द्वारा अपने नवाचारों, उत्पादों और तकनीकों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय विश्वविद्यालय परिसर स्थित नवनिर्मित सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर का भी अवलोकन करेंगे। इस केंद्र के माध्यम से नवाचारकताओं एवं स्टार्टअप्स को तकनीकी सुविधाएं और इन्क्यूबेशन सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नवाचार एवं उद्यमिता के माध्यम से रोजगार सृजन के अवसरों से जोड़ना है। बस्तर, सरगुजा सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से उभर रहे नवाचारों को स्टार्टअप इकोसिस्टम से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। कॉन्क्लेव के माध्यम से ह्लविचार से नवाचार और नवाचार से उद्यमिताह्व की दिशा में युवाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

घर से उड़ाए चार लाख के सोने के गहने, मामला दर्ज

एजेंसी

शिमला : शिमला जिले के झाकड़ी क्षेत्र में घर की अलमारी के लॉकर से करीब चार लाख रुपये के सोने के गहने चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार झाकड़ी थाना क्षेत्र के कवारी रोड निवासी संतकली पत्नी स्वर्गीय राम कृष्ण ने शिकायत दी है कि वह 22 सितंबर को शरण कराली में आयोजित शादी समारोह में गई थीं। वहां से लौटने के बाद उन्होंने अपने पास पहने हुए सोने के गहने घर की अलमारी में रख दिए थे। इनमें सोने की चेन, किट्टी सेट, टॉप्स और सोने की अंगूठी शामिल थी। शिकायत के अनुसार 28 सितंबर की सुबह जब उन्होंने अलमारी में रखे गहनों को देखने के लिए लॉकर खोला तो सभी गहने गायब मिले। महिला ने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने अलमारी के लॉकर से ये गहने चोरी किए हैं। चोरी हुए गहनों की अनुमानित कीमत करीब चार लाख रुपये बताई गई है। पुलिस थाना झाकड़ी में इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि चोरी की घटना की जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक दिनेश कुमार कर रहे हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने और ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में गिरावट का रुख बना रहा। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 347.11 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 51,481.51 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.77 प्रतिशत टूट कर 7,683.69 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 248.34 अंक यानी 0.92 प्रतिशत फिसल कर 26,820.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,413.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,684.88 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.13 प्रतिशत लुढ़क कर 25,374.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स सत्र के अंत में हुई खरीदारी के कारण 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 8,078.48 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। एशियाई बाजार में आज कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में इकलौता शंघाई कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 3,826.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 129.50 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,695 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत फिसल कर 1,594.42 अंक के स्तर पर आ गया है। निक्केई इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 754.62 अंक यानी 1.15 प्रतिशत लुढ़क कर 65,123 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स पर भी आज लगातार दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 215.51 अंक यानी 0.87 प्रतिशत टूट कर 24,427 अंक के स्तर पर तक आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.81 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,833.67 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 319.55 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 47,705.05 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत फिसल कर 6,124.42 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.16 प्रतिशत लुढ़क कर 5,713.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

वार्ड 34 में कछुआ गति से नाला और सड़क निर्माण, त्योहारों के सीजन में बढ़ेगी भीखनपुर वासियों की परेशानी

भागलपुर : भागलपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 34 अंतर्गत भीखनपुर बढ़ई टोला से आनंद बाग तक चल रहा नाला और सड़क निर्माण कार्य स्थानीय निवासियों के लिए जी का जंजाल बन गया है। विभाग और ठेकेदार की उदासीनता के कारण बीते पांच महीनों से चल रहा नाला निर्माण अब तक पूरा नहीं हो सका है, जबकि सड़क निर्माण का काम तो अभी शुरू होना भी बाकी है। निर्माण कार्य की बेहद धीमी गति के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में दशहरा, दीपावली और बिहार का महापर्व छठ पूजा आने वाला है। इस गली में दो ऐतिहासिक काली मंदिर हैं, जहां हर साल भव्य प्रतिमा स्थापित की जाती है और विशाल मेले का आयोजन होता है। स्थानीय निवासी महेश शर्मा, संजय कुमार, राहुल कुमार और कुणाल शर्मा ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि त्योहारों से पहले निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ, तो मेले के दौरान स्थिति बेहद खराब हो जाएगी। श्रद्धालुओं को कीचड़, मलबे और गड्ढों के बीच से गुजरना पड़ेगा, जिससे बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। संजय कुमार का आरोप है कि निर्माण कार्य में न केवल देरी की जा रही है, बल्कि इसकी गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में है। पूर्व में भी नाले की अनुचित ऊंचाई और घटिया निर्माण सामग्री को लेकर स्थानीय लोगों ने हंगामा किया था और सवाल उठाए थे। राहुल कुमार और कुणाल शर्मा ने कहा कि संबंधित विभाग और ठेकेदार पूरी तरह मूकदर्शक बने हुए हैं और जनता की जायज शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सड़क पर बिखरी निर्माण सामग्री और अधूरे पड़े नाले के कारण आए दिन बुजुर्ग, बच्चे और वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए और ठेकेदार को तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने का कड़ा निर्देश देना चाहिए, ताकि त्योहारों के इस मौसम में लोगों को राहत मिल सके।

मध्य प्रदेश में 4 दिन थमेगा बारिश का दौर, तेज धूप के आसार, उज्जैन-ग्वालियर से मानसून की विदाई शुरू

भोपाल : मध्य प्रदेश में अगले चार दिन बारिश का दौर कमजोर रहने की संभावना है। प्रदेश में फिलहाल कोई सक्रिय मानसूनी सिस्टम नहीं है, जिससे भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर समेत कई हिस्सों में तेज धूप निकलने के आसार हैं। बुधवार-गुरुवार से प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी शुरू होने के संकेत हैं। मानसून की वापसी की रेखा मध्य प्रदेश के पश्चिमी हिस्से तक पहुंच चुकी है। ऐसे में सबसे पहले उज्जैन और ग्वालियर संभाग से मानसून विदा हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में तेज धूप रहने का अनुमान है। वहीं प्रदेश के बाकी हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं और कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी होने की संभावना है। बुधवार से प्रदेश के करीब आधे हिस्से में धूप का असर बढ़ने लगेगा। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक 2 अक्टूबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहने और तेज धूप निकलने के आसार हैं। मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई का सामान्य समय 30 सितंबर तक माना जाता है। यानी अब इसकी सामान्य अवधि खत्म होने में दो दिन बाकी हैं। वर्तमान में राजस्थान और पंजाब के कई जिलों से मानसून वापस लौट चुका है। इसकी वापसी की रेखा अब मध्य प्रदेश के पश्चिमी हिस्से तक पहुंच गई है। इसके चलते प्रदेश में मानसून की विदाई की प्रक्रिया शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। पश्चिमी हिस्सों से मानसून के लौटने के बाद धीरे-धीरे पूर्वी मध्य प्रदेश से भी इसकी विदाई होगी। इस मानसूनी सीजन में प्रदेश के पूर्वी हिस्से में जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग को मिलाकर बारिश का आंकड़ा औसत से 4 प्रतिशत ज्यादा है। अधिकांश जिलों में सामान्य कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है। हालांकि बालाघाट, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, रीवा, सागर और सिवनी में सामान्य से 2 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई है। पश्चिमी मध्य प्रदेश में स्थिति इसके उलट है। आलीराजपुर, अशोकनगर, बड़वानी, बैतूल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में औसत की तुलना में 9 प्रतिशत से 51 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज हुई है। आंकड़ों के अनुसार अनूपपुर, छतरपुर, डिंडौरी, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, निवाड़ी, पन्ना, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, आगर-मालवा, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, गुना, ग्वालियर, खरगोन, राजगढ़, श्योपुर और शिवपुरी में औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। हालांकि प्रदेश में अब मानसूनी सीजन का अंतिम दौर चल रहा है और सामान्य औसत के मुकाबले 100 प्रतिशत बारिश का आंकड़ा पूरा होने की संभावना कम बताई जा रही है।

विश्वविद्यालय की बॉक्सिंग टीम का चयन एक अक्टूबर को

गोरखपुर : अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता 2026-27 में प्रतिभाग करने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की पुरुष एवं महिला बॉक्सिंग टीम का चयन एक अक्टूबर को किया जाएगा। टीम चयन के लिए ट्रायल विश्वविद्यालय क्रीड़ांगन में अपराह्न एक बजे से आयोजित होगा। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के सचिव प्रो. राजवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि 30 अक्टूबर से गलगोटिया विश्वविद्यालय, नोएडा में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय बॉक्सिंग (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन प्रस्तावित है। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिभाग करने वाली टीम के चयन के लिए एक अक्टूबर को ट्रायल आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चयन और ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हों। प्रतिभागियों को हाईस्कूल से अब तक के सभी मूल अंकपत्र, शुल्क रसीद, आधार कार्ड, एक फोटो और परिचय पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के प्रतिभागियों को अपने प्राचार्य द्वारा जारी लिखित अधिकार पत्र के साथ ट्रायल में शामिल होना होगा। क्रीड़ा परिषद ने इच्छुक प्रतिभागियों से समय से पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। क्रीड़ा परिषद सचिव ने बताया कि चयन प्रक्रिया के संबंध में प्रतिभागियों को निर्धारित समय और स्थान का विशेष ध्यान रखना होगा। चयनित खिलाड़ी ही आगामी अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारतीय मूल के गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का नाम अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की टॉप 10 मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में, 10 करोड़ का इनाम

वाशिंगटन : अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने भारतीय मूल के कुख्यात अपराधी (गैंगस्टर) सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर शिकंजा कसा है। एफबीआई ने गोल्डी को अपनी दस सर्वाधिक वांछित भगोड़ों (टॉप 10 मोस्ट वांटेड भगोड़ों) की सूची में शामिल करते हुए 10 करोड़ रुपये (10 लाख डॉलर) का इनाम घोषित किया है। एफबीआई ने अपनी वेबसाइट के अलावा एक्स हैंडल पर सोमवार को यह जानकारी साझा की। इसमें कहा गया कि उसकी गिरफ्तारी या सुराग देने वाले को इनाम की यह राशि प्रदान की जाएगी। एफबीआई के अनुसार, गोल्डी बराड़ उत्तरी अमेरिका के संगठित अपराधी समूह के सरगना लॉरेंस बिश्नोई के इशारे पर अपराधों को अंजाम देता है। अमेरिकी जांच एजेंसी के अनुसार, यह गिरोह दक्षिणी कैलिफोर्निया के साथ-साथ पूरे अमेरिका और कनाडा में टारगेटेड किलिंग, राजनीतिक व धार्मिक हस्तियों पर हमलों, गोलीबारी, अपहरण, रंगदारी और मादक पदार्थों तथा हथियारों की तस्करी जैसे कई गंभीर अपराधों में शामिल है। कैलिफोर्निया की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट संघीय अदालत ने पहली जुलाई को सतिंदरजीत सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। उल्लेखनीय है कि पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब का रहने वाला गोल्डी बराड़ प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद सबसे ज्यादा चर्चा में रहा है। इस हत्याकांड की वह जिम्मेदारी ले चुका है। गोल्डी पर 2023 में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने का भी आरोप है। कहा जाता है कि पुलिसकर्मी का बेटा गोल्डी बराड़ अपने चचेरे भाई गुरलाल बराड़ की हत्या का बदला लेने के लिए अपराध की दुनिया में उतरा। इसके बाद उसने गुरलाल की हत्या के आरोपित पहलवान की हत्या करवाई और फिर लॉरेंस बिश्नोई तथा जग्गू भगवानपुरिया के संपर्क में आया। भारत का गृह मंत्रालय उसे आतंकी घोषित कर चुक है। कहा जाता है कि गोल्डी वर्तमान में कनाडा के ब्रैम्पटन में रहकर बब्बर खालसा जैसे आतंकी संगठनों की मदद से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त है।

न्यूज IN ब्रीफ

पलामू में 15 स्थानों पर चला रोड सेफ्टी और एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

मेदिनीनगर : पुलिस अधीक्षक पलामू के निर्देश पर जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने और अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से सोमवार की शाम रोड सेफ्टी एवं एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक चले अभियान के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 15 अलग-अलग स्थानों पर सघन वाहन जांच की गई।

अभियान संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के नेतृत्व में प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर चलाया गया। इसमें संबंधित थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी एवं जवान सक्रिय रूप से शामिल रहे।

चियांकी एवं चैनपुर क्षेत्र में सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में वाहन एवं एंटी क्राइम चेकिंग की गई। हरिहरगंज टोल प्लाजा के समीप छतरपुर एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाहनों की जांच की। वहीं पड़वा-रेहला के बीच मुख्य मार्ग पर विश्रामपुर एसडीपीओ के नेतृत्व में सघन वाहन जांच एवं एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके अलावा लेस्लीगंज एवं पांकी क्षेत्र में भी विशेष वाहन जांच की गई।

जांच के दौरान बड़ी संख्या में बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले तथा सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों को पकड़ा गया। पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों को यातायात एवं रोड सेफ्टी नियमों की जानकारी दी और भविष्य में नियमों का उल्लंघन नहीं करने की कड़ी चेतावनी देकर छोड़ा।

पुलिस पदाधिकारियों ने वाहन चालकों को दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने तथा स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए जागरूक किया।

एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की भी जांच की गई। अपराध की रोकथाम के मद्देनजर पुलिस टीमों ने संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती और वाहनों की गतिविधियों पर निगरानी रखी।

पलामू पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट का इस्तेमाल करें और सभी यातायात एवं सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कार्रवाई से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों के जीवन की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। पलामू पुलिस के अनुसार अपराध नियंत्रण, सड़क सुरक्षा और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर जिलेभर में पुलिस लगातार सतर्क और सक्रिय है।

शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज जपला में श्रद्धा से मनाई गई शहीद भगत सिंह की जयंती

हुसैनाबाद : शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज, जपला में सोमवार को महान क्रांतिकारी एवं अमर शहीद भगत सिंह की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।

मौके पर प्राचार्य अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि भगत सिंह का देशप्रेम, त्याग, साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को आत्मसात कर देश और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगत सिंह का संघर्ष और बलिदान देश की युवा पीढ़ी को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर शिक्षक प्रतिनिधि संजय कुमार सिंह, धनंजय कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, कंचन कुमार सिंह, ममता सिंह, आकाश कुमार सिंह, मो. मुकसिद, अमित कुमार मिश्रा, रंजन कुमार यादव, बीरेंद्र कुमार, इंतेजार हुसैन, विजय प्रजापति,मधुलिका, सपना, अनिता केरकेट्टा, ज्योति कुमारी, कुमारी श्वेता, अंजू कुमारी, प्रधान सहायक अंशुल सिन्हा, चंचला, सोनी, दीपा, सुधांशु, संदीप, संतोष, रामू, सरिता, ललिता सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मानगो में पांचवीं मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत

जमशेदपुर : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धतकीडीह निवासी मोहम्मद अकरम (40) की सोमवार को मानगो के चेपापुल क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, अकरम करीब 15 दिनों से काम नहीं मिलने के कारण बेरोजगार थे और सोमवार को ही काम मिलने पर मजदूरी करने गए थे। बताया जा रहा है कि चेपापुल या आसपास किसी अपार्टमेंट का निर्माण कार्य चल रहा था, जहां कथित तौर पर पांचवीं मंजिल से गिरने के कारण उनकी मौत हुई। अकरम के भाई मोहम्मद बबलू ने बताया कि मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा 13 और आठ वर्ष की दो बेटियां हैं। अकरम का ससुराल आजादनगर में है और वह सपरिवार किराए के मकान में रहते थे। घटना के बाद दो व्यक्ति अकरम के शव को लेकर सोमवार शाम करीब पांच बजे एमजीएम अस्पताल पहुंचे। वहां कुछ देर रुकने के बाद दोनों शव को छोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर परिजन और महिलाएं अस्पताल पहुंचीं। परिजनों का आरोप है कि दोनों व्यक्तियों ने उनसे पुलिस में मामला दर्ज नहीं कराने का आग्रह किया। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि आपस में बैठकर मुआवजे को लेकर बातचीत कर मामले को सुलझा लिया जाएगा। परिजनों ने घटना की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है। मृतक के परिजनों के अनुसार, अकरम मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे और करीब 15 दिनों बाद सोमवार को ही काम पर लौटे थे। मौत की सूचना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। सूचना पाकर काफी संख्या में लोग एमजीएम पहुंचे और मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

जमशेदपुर में बाल अधिकार जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

जमशेदपुर : जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित राजकीय ठक्कर बापा मध्य विद्यालय में सामर्थ्य वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा ह्लबाल अधिकार जागरूकताह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ट्रस्ट की अध्यक्ष पल्लवी दीप ने बच्चों को शिक्षा एवं समानता के अधिकार, भेदभाव, पोक्सो कानून, नशा उन्मूलन, बाल संरक्षण और मानव तस्करी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया।स्वयंसेवक मोनालिसा कुजूर ने बाल विवाह और बाल श्रम की रोकथाम पर विस्तृत चर्चा की और बच्चों को इन सामाजिक बुराइयों से बचने के उपाय बताए।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित बच्चों के बीच फल, बिस्किट, जूस, चॉकलेट और कप केक का वितरण किया गया।

शांतिपूर्ण दुर्गा पूजा के लिए अनुमंडल प्रशासन ने सभी पूजा समितियों के साथ की बैठक

नशेड़ियों पर होगी कार्रवाई, विसर्जन के दिन मुख्य मार्ग पर नो एंट्री

संवाददाता

चक्रधरपुर : आगामी दुर्गा पूजा त्योहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को अनुमंडल कार्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में पुलिस प्रशासन, नगर परिषद, विद्युत विभाग और केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति सहित विभिन्न पूजा कमेटियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में त्योहार के दौरान सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक चर्चा की गई।

अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी ने लाइसेंसी और गैर-लाइसेंसी पूजा पंडालों का ब्योरा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी पूजा कमेटियों के लिए पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाना और अग्निशमन यंत्रों की पर्याप्त व्यवस्था रखना अनिवार्य है। इसके अलावा, सभी समितियों को अपने 10 स्वयंसेवकों की सूची, रूट चार्ट और समिति का पूरा विवरण स्थानीय प्रशासन को सौंपना होगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संदर्भ में रउढ ने स्पष्ट किया कि रात्रि 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और किसी भी परिस्थिति में भड़काऊ या अश्लील गाने नहीं बजाए जाएंगे, ताकि धार्मिक वातावरण बना रहे।

बैठक में केंद्रीय समिति के सदस्यों ने विसर्जन मार्ग, सड़कों पर झूलते बिजली के तारों और यातायात व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। विशेष रूप से बलिया घाट पर निर्माणाधीन पुलिया से विसर्जन में होने वाली कठिनाइयों का मुद्दा उठाया गया। इस पर एसडीओ ने सभी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया और बताया कि रेलवे क्षेत्र में स्थित पूजा पंडालों की समस्याओं के निपटारे के लिए रेलवे प्रशासन के साथ अलग से बैठक की जाएगी। उन्होंने विसर्जन के दौरान चक्रधरपुर मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों की नो एंट्री रखने की बात भी कही।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सैयद मुस्तफा हाशमी ने सभी कमेटियों को आपस में समन्वय बनाकर कार्य करने का सुझाव दिया। उन्होंने सीसीटीवी लगाने के आदेश को पूरी गंभीरता से लेने की बात कही और चेतावनी दी कि जुलूस या पूजा के दौरान नशे की हालत में पाए जाने वाले या मादक पदार्थों का सेवन करने वाले लोगों पर पुलिस द्वारा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंडालों के स्वयंसेवक अपनी भूमिका मुस्तैदी से निभाएं, जिससे व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

वहीं, नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उरांव ने नगर की व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि पूजा के दौरान साफ-सफाई के लिए विशेष टीम बनाई गई है, जो सूचना मिलते ही तुरंत सफाई का कार्य करेगी। उन्होंने सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट वितरण की बात कही और बताया कि पूजा से पूर्व मुख्य पवन चौक से थाना रोड तक तथा तंबाकू पट्टी से चांदमारी हनुमान मंदिर तक सड़कों का डामरीकरण कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों में एसडीपीओ सैयद मुस्तफा हाशमी, नप अध्यक्ष सन्नी उरांव, उपाध्यक्ष विजय साव, बीडीओ कांचन मुखर्जी, अंचल अधिकारी सुरेश सिंहा, कार्यपालक अधिकारी विजय हांसदा, विद्युत विभाग के सहायक अभियंता भामा टुडु, थाना प्रभारी अवधेश कुमार और अनुमंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे. जे. मुंडु उपस्थित थे। वहीं केंद्रीय समिति की ओर से मुख्य संरक्षक अशोक षाड़ंगी, उपाध्यक्ष राजू प्रसाद कसेरा, सचिव संजय पासवान, शेष नारायण लाल, कुमार विवेक, शिवपूजन सिंह, संजय मिश्रा, विजय दत्ता, प्रवीर प्रामाणिक, निक्कू सिंह सहित सभी पूजा समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव मौजूद रहे।

गंडक में रिकॉर्ड जलस्तर से बढ़ा तटबंधों पर दबाव, चंपारण तटबंध दो जगह क्षतिग्रस्त

169 स्थानों पर सीपेज-पाइपिंग नियंत्रित

संवाददाता

पश्चिम चंपारण : नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में अल्प अवधि में हुई अत्यधिक बारिश के बाद गंडक नदी में जलश्राव बढ़ने से बिहार के कई जिलों में बाढ़ का खतरा गंभीर बना हुआ है। 28 सितंबर 2026 को सुबह छह बजे वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज से 5,43,500 क्यूसेक जलश्राव दर्ज किया गया। यह पानी पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली के निचले इलाकों से होकर गुजर रहा है।

गंडक बराज पर जलश्राव की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि करीब 13 घंटे तक जलश्राव पांच लाख क्यूसेक से अधिक और 32 घंटे तक चार लाख क्यूसेक से अधिक बना रहा। इसके साथ ही 26 और 27 सितंबर के बीच पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण और गोपालगंज में हुई भारी बारिश के कारण गंडक नदी का डाउनस्ट्रीम जलस्तर पहले से ही ऊंचा था।

बगहा में दर्ज हुआ अब तक का सबसे ऊंचा जलस्तर : गंडक नदी के जलस्तर ने बगहा गेज स्थल पर नया रिकॉर्ड बनाया है। यहां 91.25 मीटर का उच्चतम जलस्तर दर्ज किया गया, जो वर्ष 2024 में दर्ज 90.90 मीटर के पिछले रिकॉर्ड से 0.35 मीटर अधिक है। हालांकि वर्ष 2024 में वाल्मीकिनगर बराज से अधिकतम 5,62,500 क्यूसेक जलश्राव प्रवाहित हुआ था, इस बार बराज से जलश्राव अपेक्षाकृत कम रहने के बावजूद बगहा में नदी का जलस्तर अधिक दर्ज किया गया है।

अत्यधिक जलश्राव के कारण गंडक नदी पर बने तटबंधों पर भारी दबाव बना हुआ है। कई स्थानों पर सीपेज, पाइपिंग और ओवरटॉपिंग की स्थिति उत्पन्न हुई। जल संसाधन विभाग के अनुसार अब तक 169 बिंदुओं पर सीपेज और पाइपिंग की समस्या को तत्काल कार्रवाई कर सुरक्षित किया गया है।

इस बीच 28 और 29 सितंबर की मध्यरात्रि में पश्चिम चंपारण जिले में गंडक नदी के बाएं तट पर निर्मित चंपारण तटबंध दो स्थानों पर क्षतिग्रस्त हुआ। इनमें बगहा-1 प्रखंड के ग्राम खैरतवा और बैरिया प्रखंड के ग्राम फुलियाखाड़ शामिल हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में गंडक नदी के दाएं तट पर निर्मित तटबंध भी एक स्थान पर क्षतिग्रस्त हुआ है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जल संसाधन विभाग और पश्चिम चंपारण जिला प्रशासन की टीमें मौके पर राहत एवं बचाव तथा बाढ़ संघर्षात्मक कार्य में जुटी हैं। मुख्यालय से रात्रि में ही कार्यपालक अभियंता की अध्यक्षता में चार विशेष दलों को बगहा, बेतिया, मोतिहारी और गोपालगंज भेजा गया है। अप्रत्याशित जलश्राव को देखते हुए इससे पहले भी अतिरिक्त अभियंताओं की प्रतिनियुक्ति संवेदनशील स्थलों पर की गई थी।

क्षेत्रीय अभियंता लगातार तटबंधों की निगरानी और बचाव कार्य में लगे हुए हैं।

पलामू में रोड सेफ्टी और एंटी क्राइम चेकिंग अभियान, 15 स्थानों पर सघन वाहन जांच

संवाददाता

मेदिनीनगर : पुलिस अधीक्षक पलामू के निर्देश पर जिले में सोमवार की शाम रोड सेफ्टी एवं एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक चले अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को मजबूत करना, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखना था। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 15 स्थानों पर सघन वाहन जांच की गई।

अभियान संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों और थाना प्रभारियों के नेतृत्व में प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर चलाया गया। इसमें संबंधित थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी और जवान सक्रिय रूप से शामिल रहे। चियांकी और चैनपुर क्षेत्र में सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में वाहन एवं एंटी क्राइम चेकिंग की गई। वहीं हरिहरगंज टोल प्लाजा के समीप छतरपुर एसडीपीओ के नेतृत्व में वाहनों की जांच की गई। पड़वा-रेहला मुख्य मार्ग पर विश्रामपुर एसडीपीओ के नेतृत्व में सघन वाहन जांच एवं एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके अलावा लेस्लीगंज और पांकी क्षेत्र में भी विशेष वाहन जांच की गई। जांच के दौरान बड़ी संख्या में बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले तथा सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों को रोका गया। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात एवं सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देते हुए भविष्य में नियमों का उल्लंघन नहीं करने की कड़ी चेतावनी दी। पुलिस ने वाहन चालकों से दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन केवल कार्रवाई से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं और अन्य सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है।

दंगवार ओपी प्रभारी पहले ही हो चुके हैं लाइन हाजिर

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद : बिहार के मोतिहारी जिले के नक्सली मामले में वांटेड बताए जा रहे हुसैनाबाद के दंगवार निवासी राजेंद्र पासवान ने आखिरकार मोतिहारी कोर्ट में सरेंडर कर दिया। खास बात यह है कि कुछ दिन पहले ही पलामू पुलिस ने उसे दंगवार इलाके से पकड़ लिया था, लेकिन कुछ घंटे बाद छोड़ दिया गया था। मामले की जांच के बाद दंगवार ओपी प्रभारी सब इंस्पेक्टर वीरेंद्र मेहता को लाइन हाजिर किया जा चुका है। पलामू एसपी कपिल चौधरी ने राजेंद्र पासवान के मोतिहारी कोर्ट में सरेंडर करने की पुष्टि की है। बताया गया कि 22 सितंबर की रात वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान दंगवार ओपी पुलिस ने राजेंद्र पासवान को पकड़ा था। उसी अभियान में दो अन्य वारंटियों की भी गिरफ्तारी हुई थी। राजेंद्र को ओपी लाए जाने के बाद कुछ घंटे में ही छोड़ दिए जाने का मामला सामने आया। मामले की जांच में राजेंद्र पासवान को पकड़ने और फिर छोड़ने की पुष्टि होने के बाद पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई की। रिपोर्टों के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद राजेंद्र के संबंध में थाना प्रभारी, डीएसपी या एसपी स्तर के अधिकारियों को सूचना नहीं दी गई थी। पुलिस के लिए यह मामला इसलिए भी गंभीर माना गया, क्योंकि उसके खिलाफ मोतिहारी में दर्ज नक्सली मामले में वारंट पलामू पहुंचा था और उसके निष्पादन की जिम्मेदारी दंगवार ओपी को दी गई थी।

बाढ़ प्रभावित इलाकों का मुख्यमंत्री ने किया हवाई सर्वेक्षण

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने वैशाली, सारण के हैजलपुर-मकेर, पूर्वी चंपारण तथा गोपालगंज के डुमरिया घाट ब्रिज और पुछरिया क्षेत्र का हवाई निरीक्षण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने डुमरिया घाट पहुंचकर गंडक नदी के बढ़े हुए जलस्तर का स्थल निरीक्षण किया और अधिकारियों से बाढ़ की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि डुमरिया घाट के समीप गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब डेढ़ मीटर ऊपर है। रात में जलस्तर में लगभग 50 सेंटीमीटर और वृद्धि की संभावना जताई गई है। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावित लोगों के बीच रहकर काम करे तथा जरूरतमंदों तक आवश्यक सहायता शीघ्र पहुंचाई जाए।

उन्होंने जल संसाधन विभाग को तटबंधों की सतत निगरानी करने और पर्याप्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। साथ ही तटबंधों की सुरक्षा के लिए नाइट पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने प्रभावित इलाकों में जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आवश्यकता के अनुसार त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार रहे।

बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत शिविरों और सामुदायिक रसोई केंद्रों के माध्यम से भोजन एवं अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराने पर भी मुख्यमंत्री ने विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए।

विश्वभारती में हिंदी पत्रकारिता का सफर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

एआई, भाषा, बाजारीकरण और कॉरपोरेट प्रभाव के बीच हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों पर हुआ व्यापक विमर्श

शांतिनिकेतन : विश्वभारती विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग एवं केंद्रीय हिंदी निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ह्यहिंदी पत्रकारिता का सफर : बदलती भाषा, बदलते तेवरह्न का समापन हुआ। संगोष्ठी में देशभर से आए वरिष्ठ पत्रकारों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने हिंदी पत्रकारिता के इतिहास, वर्तमान स्वरूप और बदलते मीडिया परिदृश्य पर व्यापक चर्चा की। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), भाषा परिवर्तन, बाजारीकरण, कॉरपोरेट प्रभाव, संपादकीय स्वायत्तता और पत्रकारिता की विश्वसनीयता जैसे विषय चर्चा के केंद्र में रहे।

उद्घाटन सत्र में भाषा और समागम पत्रिकाओं का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि विश्वभारती के कुलसचिव डॉ. विकास कुमार मुखोपाध्याय की उपस्थिति में प्रो. मुक्तेश्वर नाथ तिवारी ने बीज वक्तव्य दिया। उन्होंने उदंत मार्तंड से लेकर डिजिटल युग तक हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा और जनपक्षधरता पर प्रकाश डाला। सत्र की अध्यक्षता प्रो. मृणाल कांति मंडल ने की। संचालन डॉ. सुभाष चन्द्र राय तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुकेश लोहार ने किया।

संगोष्ठी के प्रथम दिवस के वैचारिक सत्रों में जयदीप चटर्जी, डॉ. बिप्लब लोह चौधरी, डॉ. बृजेन्द्र अग्निहोत्री और डॉ. प्रकाश हिन्दुस्तानी ने भारतीय नवजागरण, वंदे मातरम के व्यापक अर्थ तथा निष्पक्ष पत्रकारिता के मूल्यों पर विचार रखे। दूसरे सत्र में डॉ. गणेश रजक, डॉ. श्रीकांत द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. भारतीय वसंत कुमार और प्रो. हरिश्चंद्र मिश्र ने प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता, तटस्थता और पत्रकारिता के मूल्यों पर चर्चा की।

पहले दिन की सांस्कृतिक संध्या में संगीत भवन के कलाकारों ने प्रस्तुति दी। डॉ. मनोज कुमार शर्मा के सितार वादन के साथ विश्वजीत साहू ने तबले पर युगलबंदी की। विभाग के विद्यार्थियों ने भी विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

संगोष्ठी के दूसरे दिन के प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रो. रामेश्वर मिश्र ने की। सत्र में दिनमान और विशाल भारत जैसी पत्रिकाओं के हिंदी पत्रकारिता में योगदान को रेखांकित किया गया। डॉ. उत्कर्ष सिन्हा और डॉ. मनोज कुमार शुक्ला ने घटती संपादकीय स्वायत्तता और बढ़ते बाजारीकरण पर चिंता व्यक्त की। वहीं डॉ. मयंक भार्गव ने चैटजीपीटी और अनुवादिनी ऐप जैसे एआई उपकरणों के दौर में समाचारों की सत्यता और विश्वसनीयता से जुड़े सवालों पर विचार रखा। डॉ. रंजना शर्मा ने हिंदी पत्रकारिता पर ह्यहिंग्लिशह्न के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा की।

दूसरे सत्र में प्रो. शकुन्तला मिश्र, डॉ. प्रमोद शर्मा, डॉ. राजीव रंजन प्रसाद, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. राजू कुमार और डॉ. श्रुति कुमुद ने कॉरपोरेट प्रभाव, प्रेस स्वतंत्रता, पूर्वोत्तर भारत की मीडिया में उपस्थिति तथा स्थानीय पत्रकारों के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे मुद्दों को उठाया।

तीसरे सत्र में शोधार्थियों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार डॉ. भारतीय बसंत कुमार ने की। इस दौरान अमित कुमार, अमित सिंह, मम्पी शर्मा, शिवम कुमार, जेम्स हांसदा, निकिता कुमारी, अन्वेषा कबीरत्ना, बुधुराम बेहेरा, मानसी कुमारी, अमन कुमार होली और चिराग शर्मा ने विभिन्न विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

दूसरे दिन की सांस्कृतिक संध्या में विश्वभारती के परीक्षा विभाग में कार्यरत श्री रतन ओझा तथा संगीत भवन के शिल्प अध्यापक प्रभात जी के मार्गदर्शन में अनुभव चौधरी और अशोक ने संगीत प्रस्तुति दी। विभाग के विद्यार्थियों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

समापन सत्र में डॉ. सुभाष चन्द्र राय, मंचासीन श्रीमती अनीता डगोरे एवं श्री हकीकत सहित अन्य उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. जगदीश भगत के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संगोष्ठी का आधिकारिक समापन हुआ। कार्यक्रम का समापन आश्रम संगीत के साथ किया गया। संगोष्ठी ने हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा के साथ-साथ एआई, बदलती भाषा, बाजारीकरण और कॉरपोरेट प्रभाव के वर्तमान दौर में मीडिया के सामने मौजूद प्रश्नों पर गंभीर अकादमिक विमर्श का मंच प्रदान किया।